mediaauditornews@gmail.com mediaauditor Epaperdainikmediaauditor.in mediaauditor वर्ष-04 अंक-162 पृष्ठ-8 मूल्य-3 रूपये

सतना
12 जून 2024 बुधवार

दैनिक मीडिया ऑडीटर

दैनिक मीडियाऑडीटर

सतना, रीवा से एक साथ प्रकाशित

जब पंत की कार ...

संक्षिप्त समाचार

सुप्रीम कोर्ट का नीट काउंसलिंग पर रोक लगाने से इनकार

- कहा-गड़बड़ियों से परीक्षा की विश्वसनीयता को चोट पहुंची, हमें जवाब चाहिए, एनटीए को नोटिस

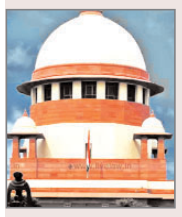

नई दिल्ली (एजेंसी)। सुप्रीम कोर्ट ने मंगलवार को नीट काउंसलिंग पर रोक लगाने से इनकार कर दिया है। ये याचिका स्टूडेंट शिवांगी मिश्रा और 9 अन्य स्टूडेंट्स ने रिजल्ट की घोषणा से पहले 1 जून को दायर की थी। इसमें बिहार और राजस्थान के एग्जाम सेंटर्स पर गलत क्वेश्चन पेपर्स बंटने के चलते हुई गड़बड़ी की शिकायत की गई थी और परीक्षा रद्द कर सीबीआई जांच की मांग की गई थी। सुप्रीम कोर्ट की बेंच ने परीक्षा कराने वाली संस्था नेशनल टेस्टिंग एजेंसी यानी एनटीए से कहा- नीट यूजी की विश्वसनीयता प्रभावित हुई है।

ऑक्सफोर्ड यूनिवर्सिटी भारत को लौटाएगी 500 साल पुरानी मूर्ति

लंदन (एजेंसी)। ब्रिटेन की ऑक्सफोर्ड यूनिवर्सिटी भारत को 500 साल पुरानी एक कांसे की मूर्ति लौटाने वाली है। न्यूज एजेंसी के मुताबिक, यह मूर्ति संत तिरुमंगई अलवार की है, जो 16वीं सदी के दौरान तमिलनाडु के एक मंदिर से चोरी हो गई थी। संत तिरुमंगई अलवार दक्षिण भारत के 12वें अलवर संतों में से अंतिम थे। फिलहाल यह मूर्ति ऑक्सफोर्ड यूनिवर्सिटी की एशमोलियन म्यूजियम में रखी गई है, जिस देखने के लिए लगभग 1800 रुपए देने पड़ते हैं।

संत तिरुमंगई अलवार की यह मूर्ति 1 मीटर ऊंची है। इसे 1967 में डॉ. जे.आर. बेलमोंट ने ऑक्सफोर्ड यूनिवर्सिटी में रखवाया था।

चुनाव में मुकाबला जरूरी लेकिन झूठ पर आधारित न हो

चुनाव प्रचार पर मोहन भागवत की नसीहत,बोले-मर्यादा जरूरी

नागपुर (एजेंसी)। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) प्रमुख मोहन भागवत ने चुनाव के दौरान होने वाली बयानबाजी को लेकर बड़ी बात कही है। उन्होंने कहा कि हाल ही में हुए लोकसभा चुनाव के दौरान राजनीतिक दलों ने मर्यादा नहीं

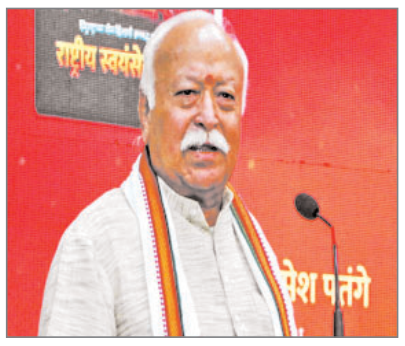

रखी। नागपुर में हुए आरएसएस के कार्यक्रम में उन्होंने कहा, असली जनसेवक वही है जो अहंकार नहीं दिखाता और सार्वजनिक जीवन में काम करते हुए भी मर्यादा बनाए रखता है। उन्होंने कहा, चुनाव संपन्न हो गए, परिणाम और सरकार भी बन गई लेकिन उसकी चर्चा अभी तक चल रही है। जो हुआ वह क्यों हुआ। उन्होंने कहा, यह अपने प्रजातांत्रिक देश में पांच वर्ष में होने वाली घटना है जो कि होती है। देश के संचालन के लिए यह महत्वपूर्ण है लेकिन हम यही चर्चा करते रहें इतना महत्वपूर्ण नहीं है। समाज ने अपना मत दे दिया और उसके अनुसार अब काम हो रहा है। संघ के लोग इसमें नहीं पड़ते। हम अपना कर्तव्य करते रहते हैं। संघ प्रमुख ने कहा, जो वास्तविक सेवक है उसकी एक मर्यादा रहती है। काम करते सब लोग हैं लेकिन कार्य करते समय वह मर्यादा

- **कहा-सच्चा सेवक घमंड नहीं करता, काम करें, अहंकार न पालें**

का पालन भी करता है। जैसा तथागत ने भी बताया है कि कुशलस्य उपसंपदा। शरीर को भूखा नहीं रखना है लेकिन कौशल पूर्वक जीविका कमानी है। इससे दूसरों को धक्का नहीं लगना चाहिए।

यह मर्यादा निहित है। इसी तरह की मर्यादा के साथ हम लोग काम करते हैं। काम करने वाला मर्यादा का ध्यान रखता है। जो मर्यादा का पालन करता है उसमें अहंकार नहीं आता और वही सेवक कहलाने का अधिकारी है। भागवत ने कहा कि चुनाव में स्पर्धा रहती है इसलिए किसी को पीछा रहने का काम होता है। लेकिन इसमें भी मर्यादा है। असत्य का उपयोग नहीं करना चाहिए।

लोकसभा स्पीकर के लिए पुरंदेश्वरी के नाम की चर्चा

- आंध्र भाजपा अध्यक्ष और चंद्रबाबू की पत्नी की हैं बहन

नई दिल्ली (एजेंसी)। लोकसभा के अंक गणित और सत्ता-विपक्ष के बीच जारी खींचतान को देखते हुए स्पीकर का पद इस बार अहम हो गया है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की

अगुआई वाली एनडीए सरकार दो बड़े घटक दल टीडीपी और जदयू भी इस होड़ में शामिल दिख रहे हैं। टीडीपी नेता एन चंद्रबाबू नायडू और जदयू नेता नीतिश कुमार को लगता है कि अगर उनकी पार्टी में तोड़फोड़ की कोशिश होगी तो स्पीकर पद उस समय जीवन बीमा होगा। इंडिया ब्लॉक ने भी कहा है कि स्पीकर पद टीडीपी के पास जाता है तो समर्थन करेंगे।

मोहन चरण मांझी होंगे ओडिशा के नए सीएम

केवी सिंहदेव और प्रभाती परिदा डिप्टी सीएम होंगे

नए मुयमंत्री के तौर पर आज करेंगे शपथ ग्रहण

भुवनेश्वर (एजेंसी)। मोहन चरण माझी ओडिशा के नए मुख्यमंत्री होंगे। पार्टी के केंद्रीय पर्यवेक्षक राजनाथ सिंह और भूपेंद्र यादव ने पार्टी विधायकों के साथ भुवनेश्वर में हुई बैठक में उनके नाम की घोषणा की। माझी के अलावा कनक वर्धन सिंहदेव और प्रभाती परिदा राज्य के डिप्टी सीएम होंगे। मोहन चरण माझी 4 बार के विधायक हैं। उन्होंने 2024 में बीजेडी वीणा माझी को 11 हजार से ज्यादा वोटों से हराया था। इसके अलावा वे 2019, 2009 और साल 2000 में भी विधायक रह चुके हैं। केवी सिंहदेव पटनागढ़ से और प्रभाती परिदा पुरी की निमापारा सीट से विधायक हैं। कनक वर्धन सिंहदेव बोलांगीर के राजपरिवार से ताल्लुक रखते हैं। वे नवीन पटनायक की सरकार में 2000 से 2004 तक उद्योग और सार्वजनिक उद्यम, 2004 से 2009 तक शहरी विकास और सार्वजनिक उद्यम के कैबिनेट मंत्री रह चुके हैं। इसके अलावा वे पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष भी रह चुके हैं। भुवनेश्वर में पार्टी विधायक दल की बैठक

में मोहन मांझी को नेता चुना गया। वह 12 जून को ओडिशा के नए मुख्यमंत्री पद की शपथ ग्रहण करेंगे। बीजेपी ने विधायक दल के नेता का चुनाव करने के लिए रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह के साथ भूपेंद्र यादव को पर्यवेक्षक नियुक्त किया था। बीजेपी में ओडिशा में पहली बार सरकार बना रही है। ऐसे में मोहन मांझी को राज्य में बीजेपी का पहले मख्यमंत्री बनने का गौरव हासिल हुआ है। विधानसभा चुनावों में बीजेपी ने चौंकाते हुए अकेले 78 सीटें हासिल की हैं। 147 सदस्यों वाली विधानसभा में बहुमत का आंकड़ा 74 सदस्यों का है। पिछले 24 सालों से राज्य की सत्ता पर काबिज बीजू जनता दल को 51 सीटें मिली हैं, जबकि कांग्रेस को 14 सीटें मिली हैं। मोहन चरण मांझी की शपथ ग्रहण के लिए बुधवार को पांच बजे का समय निर्धारित किया गया है। मोहन चरण मांझी आदिवासी समुदाय से आते हैं। वह मुख्यमंत्री पद की दौड़ में शामिल तमाम दावेदारों में सबसे कम उम्र के हैं। मांझी की उम्र 53 साल है।

चंद्रबाबू नायडू चुने गए एनडीए एमएलए दल के नेता, शपथ आज

- आंध्र प्रदेश गवर्नर से मिलकर सरकार बनाने का पेश किया दावा

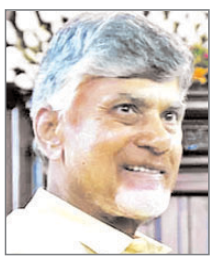

अमरावती (एजेंसी)। आंध्र प्रदेश में नई सरकार बनाने के लिए मंगलवार को एनडीए की तेलुगु देशम पार्टी (टीडीपी), जनसेना और भाजपा विधायकों ने विजयवाड़ा में मीटिंग की। इसमें टीडीपी अध्यक्ष एन चंद्रबाबू नायडू को सर्वसम्मति से एनडीए विधायक दल का नेता चुना गया। एक्टर से नेता बने जनसेना प्रमुख पवन कल्याण को विधानसभा में फ्लोर लीडर चुना गया। इसके बाद नायडू और कल्याण राज्यपाल नजीर से मिलने राजभवन पहुंचे। उन्होंने राज्यपाल से मिलकर सरकार बनाने का दावा पेश किया।

यूपी में 30 जून तक होंगे ट्रांसफर, योगी कैबिनेट की मुहर

नई तबादला नीति पर सरकार ऐटिव, चुनाव बाद हुई बैठक में 41 प्रस्ताव पास

लखनऊ (एजेंसी)। यूपी में लोकसभा चुनाव के बाद योगी कैबिनेट की मंगलवार को पहली बैठक हुई। इसमें नई ट्रांसफर नीति समेत 41 प्रस्तावों पर मुहर लगी है। 26 प्रस्ताव जल संसाधन मंत्रालय के हैं। सरकार की यह पहली पेपरलेस कैबिनेट बैठक रही। सभी मंत्री टैबलेट के साथ मीटिंग में शामिल हुए। डिप्टी सीएम केशव मौर्य आज भी बैठक में नहीं पहुंचे। 3 दिन पहले भी वो सीएम योगी द्वारा बुलाई गई मंत्रियों की बैठक में शामिल नहीं हुए थे। मौर्य अभी दिल्ली में हैं। कैबिनेट जैसी

अहम बैठक में क्यों नहीं शामिल हुए, यह अभी स्पष्ट नहीं है। चुनाव के चलते 4 महीने बाद योगी कैबिनेट की बैठक हुई। चुनाव अधिसूचना से पहले 5 मार्च को आखिरी बैठक हुई थी। कैबिनेट से मंजूरी के बाद अब राज्य कर्मचारियों के ट्रांसफर शुरू हो जाएंगे। डिप्टी सीएम बृजेश पाठक ने बताया कि 30 जून तक ट्रांसफर किए जाएंगे। यानी, ट्रांसफर की प्रक्रिया पूरी कर ली जाएगी।

प्रयागराज महाकुंभ के लिए 23,682 लाख रुपए मंजूर

प्रयागराज में 2025 में होने वाला महाकुंभ और भव्य होगा। मेले का क्षेत्रफल पहले 32 हेक्टेयर था, जिसे बढ़ाकर 40 हेक्टेयर किया जा रहा है। सेक्टर की संख्या भी 20 से बढ़ाकर 25 की जा रही है। घाटों की लंबाई 8 किमी से बढ़ाकर 12 की जाएगी। कल्पवासियों की संख्या भी 25 लाख से बढ़कर 30 लाख होने की उम्मीद है। कैबिनेट में जो 40 प्रस्ताव पास हुए हैं, उनमें 26 जल संसाधन विभाग के हैं। इसके अलावा, उच्च शिक्षा के 3, उर्जा विभाग के 4, चिकित्सा शिक्षा के 2, नागरिक पर्यटन के 3, नगर विकास,पर्यटन वित्त विभाग के एक-एक प्रस्ताव हैं।

अब मिसाइल और ड्रोन भी बनाएंगे गौतम अडानी !

- यूएई की दिग्गज कंपनी से मिलाया हाथ, ग्लोबल मार्केट पर नजर

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारत और एशिया के दूसरे सबसे बड़े रईस गौतम अडानी अब मिसाइल और ड्रोन के साथ-साथ सेना के लिए दूसरे तरह के हथियार भी बनाएंगी। अडानी ग्रुप की कंपनी अडानी डिफेंस एंड एयरोस्पेस ने यूएई की कंपनी के साथ हाथ मिलाया है। दोनों कंपनियां मिसाइल और ड्रोन के साथ-साथ दूसरे तरह के आधुनिक हथियार बनाएंगी। साथ ही इलेक्ट्रॉनिक और साइबर युद्ध में काम आने वाली टेक्नोलॉजी के विकास में भी एक दूसरे को सहयोग करेंगी। एग्रीमेंट के मुताबिक भारत और यूएई में रिसर्च एंड डेवलपमेंट फैसिलिटीज स्थापित करने और एक्सपोर्ट की संभावनाओं का पता लगाया जाएगा। साल 2019 में स्थापित यह ग्रुप दुनिया का जाना-माना एडवांस्ड टेक्नोलॉजी ग्रुप है। दोनों कंपनियों ने एक बयान में इस समझौते के बारे में जानकारी दी। अडानी डिफेंस एंड एयरोस्पेस के सीईओ आशीष

राजवंशी ने कहा कि हमारे बीच यह सहयोग रक्षा क्षमताओं के विस्तार में एक नए युग की शुरुआत है। यह एडवांस टेक्नोलॉजिकल के विकास और भारत-यूएई के बीच द्विपक्षीय सहयोग बढ़ाने की हमारी प्रतिबद्धता को दिखाता है। हम ग्लोबल डिफेंस लैंडस्केप में नए मानक स्थापित करना चाहते हैं। कंपनी के सीईओ हमद अल मरार ने कहा कि अडानी डिफेंस के साथ हमारा करार एक मील का पत्थर है। इससे भारत की डिफेंस इंडस्ट्री के साथ हमारा सहयोग मजबूत होगा। यह दोनों देशों के सैन्य संबंधों को मजूबत बनाने की हमारी परस्पर प्रतिबद्धता को दिखाता है। हम अपने कस्टमर्स को सबसे आधुनिक प्रॉडक्ट्स देना चाहते हैं। साथ ही हम एक्सपोर्ट की संभावनाएं भी तलाश करेंगे। दोनों कंपनियों के बीच आपसी सहयोग के लिए जॉइंट प्लेटफॉर्म बनाया जाएगा। अडानी ग्रुप का कारोबार पोर्ट, एयरपोर्ट, इन्फ्रा और ग्रीन एनर्जी समेत कई सेक्टर्स में फैला है। मार्केट कैप के हिसाब से यह टाटा ग्रुप और रिलायंस ग्रुप के बाद देश का तीसरा सबसे बड़ा ग्रुप है। ग्रुप की 11 लिस्टेड कंपनियां हैं। ग्रुप के चेयरमैन गौतम अडानी भारत और एशिया के दूसरे सबसे बड़े रईस हैं। उनकी नेटवर्थ 107 अरब डॉलर है।

शिवराज सिंह चौहान का दिल्ली में दिखने लगा है ऐक्शन

- अधिकारियों को बता दिया अपना रोडमैप,कहा-हम टीम के रूप में काम करेंगे

भोपाल (एजेंसी)। मध्य प्रदेश के पूर्व सीएम शिवराज सिंह चौहान अब केंद्र की राजनीति में शिफ्ट हो गए हैं। मोदी कैबिनेट में उन्हें दो अहम मंत्रालयों की जिम्मेदारी मिली है। इसमें कृषि और ग्रामीण विकास मंत्रालय है। विभाग बंटवारे के बाद से ही शिवराज सिंह चौहान ऐक्शन में आ गए हैं। उन्होंने तुरंत अपने विभाग के अधिकारियों को एमपी भवन बुलाया था। एमपी भवन में उन्होंने अधिकारियों के साथ मीटिंग की थी।

बंगाल लोकसभा चुनाव जीता पर बाजी हार गई सीएम ममता !

तृणमूल में होगा मंथन,शहरी इलाकों में बीजेपी के वोट प्रतिशत ने डराया

नई दिल्ली (एजेंसी)। लोकसभा चुनाव 2024 में पश्चिम बंगाल में ममता बनर्जी की तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) की भाजपा पर जीत हुई है, लेकिन जिस तरह की जीत हुई है वह ममता की परेशानी बढ़ाने वाली है। खास कर तब जब दो साल बाद ही राज्य में विधानसभा चुनाव होने हैं और भाजपा तृणमूल को सत्ता से बाहर करने पर आमादा है। 2019 लोकसभा चुनाव की तुलना में 2024 में सात सीटें ज्यादा (कुल 29) जीतने के बावजूद तृणमूल के लिए चिंता की वजह यह है कि राज्य के 125 नगर निगम और नगर पालिका परिषदों में से 60 प्रतिशत ऐसी हैं, जहां पर वह बीजेपी से पीछे रही है। ममता बनर्जी के विधानसभा क्षेत्र में भी भाजपा ने तृणमूल को हरा दिया है। बीते दो विधानसभा चुनावों में भाजपा अपने विधायकों की संख्या 3 से 77 कर ले गई है। 2026 के विधानसभा चुनाव के मद्देनजर टीएमसी के लिए यह हालत इसलिए भी ज्यादा चिंताजनक हैं क्योंकि राज्य के 125 में से 124 नगर निकायों में टीएमसी का ही शासन है। सिर्फ नादिया की ताहेरपुर में सीपीएम सत्ता में है। खबरों के मुताबिक, टीएमसी की प्रमुख और मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने कोलकाता के मेयर फिरहाद हाकिम से इन नतीजों का विश्लेषण करने और इसके पीछे की वजह बताने के लिए कहा है। टीएमसी कई ऐसे निकायों में भी पीछे रही है, जहां पर वह लोकसभा का चुनाव जीती है। उदाहरण के लिए बोलपुर लोकसभा सीट, जहां टीएमसी के उम्मीदवार असित कुमार मल 3.27 लाख वोटों से चुनाव जीते हैं लेकिन वहां बीजेपी की उम्मीदवार पिया साहा बोलपुर कस्बे में 5800 वोट से आगे रही हैं। बीजेपी यहां नगर पालिका के 22 में से 16 वार्ड में आगे रही है। ऐसा ही कुछ बांकुरा लोकसभा सीट पर भी हुआ है। जहां पर टीएमसी बांकुरा कस्बे के 24 में से 21 वार्ड में पीछे रही है।

जीएसटी के दायरे में आएगा पेट्रोल-डीजल, होगा सस्ता !

नई दिल्ली (एजेंसी)। केंद्र सरकार का प्रयास होगा कि पेट्रोल, डीजल और नेचुरल गैस जैसे ईंधन वस्तु एवं सेवा कर के दायरे में आए। यह कहना है केंद्रीय पेट्रोलियम एवं प्राकृतिक गैस मंत्री हरदीप सिंह पुरी का। उन्होंने मंगलवार को ही फिर से इसी मंत्रालय का कार्यभार संभाला। हरदीप सिंह पुरी ने कहा कि केंद्र सरकार पेट्रोल, डीजल और प्राकृतिक गैस को वस्तु एवं सेवा कर (जीएसटी) के दायरे में लाने का प्रयास करेगी। यह पहली बार नहीं है कि पुरी ने पेट्रोल और डीजल को जीएसटी के दायरे में लाने पर जोर दिया है। यहां तक कि वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने भी पिछले साल नवंबर में कहा था कि इसे लागू करने से लोगों को फायदा होगा। हालांकि, पुरी ने पहले हवाला दिया था कि पेट्रोल और डीजल को जीएसटी के तहत लाने के लिए राज्यों को सहमत होना होगा, जिनके लिए ईंधन और शराब प्रमुख राजस्व जनरेटर हैं। उन्होंने यह भी कहा कि मोदी सरकार के नए कार्यकाल में वह सरकारी तेल कंपनियों की हिस्सेदारी बेचने के पक्ष में नहीं हैं। उल्लेखनीय है कि इसी सरकार ने साल 2022 में भारत पेट्रोलियम कॉर्पोरेशन लिमिटेड की विनिवेश प्रक्रिया को रद्द इसलिए कर दिया था क्योंकि इसके लिए मैदान में सिर्फ एक बोली लगाने वाला बचा था। मंत्री की टिप्पणी के बाद बीपीसीएल, एचपीसीएल और आईओसीएल के शेयरों में थोड़े समय के लिए उछाल आया। दोपहर 1.20 बजे तक बीपीसीएल, एचपीसीएल और आईओसीएल क्रमशः लगभग 0.5 फीसदी, 0.8 फीसदी और 1.1 फीसदी की बढ़त के साथ कारोबार कर रहे थे। उन्होंने दोहराया कि सरकार पेट्रोल में 15 प्रतिशत इथेनॉल की ब्लेंडिंग को पार करने में सक्षम थी और अगले साल तक 20 प्रतिशत लक्ष्य हासिल कर लिया जाएगा। उन्होंने कहा जैसा कि आप जानते हैं, प्रधान मंत्री ने 2030 तक 20 फीसदी ब्लेंडिंग का लक्ष्य रखा था...मैंने जो देखा है और प्रगति पर काम के आधार पर, मुझे पूरा विश्वास है कि 20 फीसदी ब्लेंडिंग लक्ष्य, 2025 तक पूरा हो जाएगा।

नए पेट्रोलियम मिनिस्टर ने किया इशारा, बताई सरकार की प्राथमिकताएं

संक्षिप्त समाचार

राज्य पुलिस सेवा के चार अधिकारी बनेंगे आइपीएस, जुलाई में डीपीसी की तैयारी

मीडिया ऑडीटर, भोपाल (एजेंसी)। इस वर्ष राज्य पुलिस सेवा के चार अधिकारियों को आइपीएस अवार्ड होगा। इसके लिए डीपीसी अगले माह कराने की तैयारी है। इसमें एक अधिकारी 1995 बैच के और बाकी तीन 1997 बैच के होंगे। हालांकि, इसके लिए 12 अधिकारियों के नामों का पैनल तैयार किया गया है। बता दें कि इन पदों के लिए पहले इसी वर्ष मार्च में डीपीसी कराने की तैयारी थी, पर लोकसभा चुनाव की आचार संहिता लागू होने के कारण इसे टाल दिया गया था। अब फिर इसके लिए शासन स्तर पर पहल शुरू हुई है। इस तरह लगभग 28 वर्ष की सेवा के बाद राज्य पुलिस सेवा के अधिकारी आइपीएस बनेंगे। लगभग 15 वर्ष पहले राज्य प्रशासनिक सेवा और राज्य पुलिस सेवा के अधिकारी लगभग 10 से 12 वर्ष की सेवा के बाद पदोन्नत होकर आइएएस और आइपीएस बन जाते थे। राज्य प्रशासनिक सेवा के अधिकारी अभी भी 10 से 12 वर्ष में पदोन्नत हो जाते हैं, लेकिन पुलिस सेवा के अधिकारियों को पदोन्नत होने में 25 वर्ष से अधिक लग रहे हैं। इसकी बड़ी वजह यह कि बैच बड़े हैं। दूसरा यह कि नियमानुसार हर पांच वर्ष में काडर रिव्यू नहीं होने के कारण भी पद नहीं बढ़ पा रहे हैं। पुलिस मुख्यालय के अधिकारियों ने बताया कि अगले वर्ष राज्य पुलिस सेवा के छह अधिकारी पदोन्नत होंगे। 1995 बैच के प्रकाश चंद्र परिहार, 1997 बैच के दिलीप कुमार सोनी, सीताराम सत्या, अवधेश प्रताप सिंह बागरी, राजेंद्र कुमार वर्मा, अमृत मीणा और विक्रांत मुराब। 1998 बैच के सुरेन्द्र कुमार जैन, आशीष खरे, राजेश रघुवंशी, निमिषा पांडेय और राजेश कुमार मिश्रा।

राजस्थान, ओडिशा और छत्तीसगढ़ ने मप्र से मांगे 4-4 बाघ

मीडिया ऑडीटर, भोपाल (एजेंसी)। टाइगर स्टेट मध्य प्रदेश पर अब अन्य राज्यों की नजर है। 3 राज्यों ने मध्य प्रदेश से बाघों की मांग की है। इनमें राजस्थान, ओडिशा और छत्तीसगढ़ हैं, जिन्होंने मध्य प्रदेश सरकार से चार-चार बाघ मांगे हैं। इन राज्यों की मांग के बाद अब वन विभाग प्रदेश के उन वन क्षेत्रों को चिह्नित कर रहा है, जहां बाघों की संख्या अधिक है। यहां से बाघों को अन्य क्षेत्रों में स्थानांतरित करने के साथ अन्य राज्यों को देने पर भी निर्णय लिया जाएगा। छत्तीसगढ़ और राजस्थान में बाघ की मांग तत्कालीन कांग्रेस सरकार में की गई थी। अब दोनों ही राज्यों में भाजपा सरकार है, ऐसे में एक बार फिर नई सरकार ने सरकार से बाघ मांगे गए हैं। वन विभाग ने इसकी तैयारी शुरू कर दी है। हालांकि वन अधिकारियों का कहना है कि तीनों राज्यों को बाघ देने का निर्णय (राष्ट्रीय बाघ संरक्षण प्राधिकरण) से अनुमति मिलने के बाद लिया जाएगा।

आचार संहिता में प्रभावित सरकारी काम अब पकड़ेंगे तेजी

मीडिया ऑडीटर, भोपाल (एजेंसी)। लोकसभा चुनाव की आचार संहिता समाप्त होने के बाद अब रुके हुए सरकारी काम गति पकड़ेंगे। मुख्यमंत्री सचिवालय ने सभी विभागों को कहा कि वे केंद्रीय योजनाओं से जुड़े प्रस्ताव तैयार करके शीघ्र भेजें ताकि उन्हें संबंधित मंत्रालयों को भेजने के साथ प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी से भी समय लेकर स्वीकृत कराने का अनुरोध किया जा सके। इसमें वर्ष 2028 में होने वाले सिंहस्थ के लिए भी प्राथमिकता के आधार पर प्रस्ताव भेजने को कहा है। वहीं, सिंहस्थ के विकास कार्यों के लिए प्रदेश सरकार केंद्र सरकार से बजट मांगा जाएगा। उज्जैन में वर्ष 2028 में आयोजित होने वाले सिंहस्थ की व्यवस्थाएं देखने के लिए सोमवार को मध्य प्रदेश के अधिकारियों का दल प्रयागराज कुंभ का अध्ययन करने के लिए रवाना हो गया। मप्र के अधिकारी वहां कुंभ के दौरान की जाने वाली प्रत्येक व्यवस्थाओं का अध्ययन करके रिपोर्ट सरकार को देंगे और इसी आधार पर उज्जैन में सिंहस्थ के आयोजन की रूपरेखा बनाकर आगे की कार्ययोजना पर काम किया जाएगा।

बुधनी सहित 5 जगहों पर नए मेडिकल कॉलेज प्रारंभ करने की तैयारी

मीडिया ऑडीटर, भोपाल (एजेंसी)। प्रदेश में अगले वर्ष (2025-26) में 5 नए मेडिकल कॉलेज शुरू करने की तैयारी स्वास्थ्य एवं चिकित्सा शिक्षा विभाग ने प्रारंभ कर दी है। इनमें शिवराज सिंह चौहान के गृह क्षेत्र बुधनी, राजगढ़, श्योपुर, सिंगरौली और मंडला का मेडिकल कालेज शामिल है। सभी जगह 150-150 सीटें होंगी। बुधनी में नर्सिंग कॉलेज भी शुरू किया जाएगा। मापदंड पूरा करने में कोई कमी नहीं रह जाए, इसलिए चिकित्सा शिक्षा संचालनालय ने लगभग एक वर्ष पहले से ही तैयारी शुरू कर दी है। श्योपुर और सिंगरौली में फैकल्टी की पदस्थापना भी शुरू हो गई है, क्योंकि मान्यता मिलने में सबसे बड़ी अड़चन फैकल्टी को लेकर ही आती है। कॉलेज भवन का निर्माण भी तेजी से चल रहा है। बता दें कि बुधनी छोड़ बाकी 4 कालेज केंद्र सरकार के सहयोग से बनाए जा रहे हैं।

उप मुख्यमंत्री श्री शुक्ल की अध्यक्षता में मंत्रिपरिषद की उप समिति की बैठक हुई

मीडिया ऑडीटर, भोपाल (एजेंसी)। उप मुख्यमंत्री श्री राजेंद्र शुक्ल की अध्यक्षता में मंत्रालय वल्लभ भवन में प्रदेश के समस्त ज़िलों में शव वाहन संचालन योजना के लिए मंत्रिपरिषद की उप समिति की बैठक हुई। बैठक में शव वाहन संचालन की योजना के विभिन्न पहलुओं पर विचार कर समिति द्वारा सुझाव दिये गये।

बैठक में नगरीय विकास एवं आवास, संसदीय कार्य विभाग मंत्री श्री कैलाश विजयवर्गीय, पंचायत एवं ग्रामीण विकास और श्रम विभाग मंत्री श्री प्रहलाद सिंह पटेल सहित अपर मुख्य सचिव, लोक स्वास्थ्य एवं चिकित्सा शिक्षा विभाग मो. सुलेमान, प्रमुख सचिव स्वास्थ्य श्री विवेक पोरवाल, एमडी एनएचएम श्रीमती प्रियंका दास उपस्थित थे। बैठक में योजनांतर्गत पात्रता, संचालन व्यवस्था एवं वित्तीय प्रावधानों पर विमर्श किया गया। समिति ने सुझाव दिये कि शव वाहन की संख्या का

निर्धारण उपलब्ध आंकड़ों के आधार पर किया जाये। पात्रता और सुविधा के निर्धारण में आर्थिक स्थिति को प्राथमिकता दी जाये। शववाहन संचालन सुविधा के लिए शासकीय व्यवस्था के साथ-साथ स्वयं सेवी संस्थाओं और एनजीओ का भी सहयोग प्राप्त करने के लिए एम्पेनेलमेंट की व्यवस्था को योजना में शामिल करने के समिति ने निर्देश दिये। उक्त बिंदुओं को समाहित कर अगले सप्ताह पुन: योजना पर मंत्रिपरिषद की उप समिति द्वारा विमर्श किया जाकर योजना को अंतिम रूप प्रदान किया जाएगा। बैठक में बताया गया कि प्रदेश के समस्त चिकित्सा महाविद्यालय वाले 13 ज़िलों में 4-4 तथा शेष 42 ज़िलों में 2-2 शव वाहन कुल 136 शव वाहन का संचालन प्रस्तावित है।

शववाहन से शासकीय अस्पताल से मृतक के निवास स्थल / शमशान घाट तक परिवहन के लिए केंद्र शासन, राज्य शासन अथवा सार्वजनिक क्षेत्र के उपक्रम द्वारा संचालित शासकीय स्वास्थ्य संस्थाओं अथवा आयुष्मान भारत योजना अंतर्गत सम्बद्ध निजी अस्पतालों में उपचार के लिये लाये गए आयुष्मान हितग्राही की उपचार के दौरान मृत्यु के प्रकरण की पात्रता प्रस्तावित की गयी है। सड़क दुर्घटना अथवा अन्य आपदा में पीड़ित की मृत्यु होने पर पोस्टमार्टम के लिये शासकीय स्वास्थ्य संस्था में परिवहन एवं पोस्ट मार्टम उपरांत शासकीय स्वास्थ्य संस्था से मृतक के निवास स्थल/शमशान घाट तक परिवहन की पात्रता भी विभागीय योजना में प्रस्तावित है।

टीटी नगर एसडीएम के निर्देशन में अस्पतालों में फायर सेफ्टी की जांच

भोपाल। टीटी नगर की अनुविभागीय दंडाधिकारी (एसडीएम) श्रीमती अर्चना शर्मा के मार्गदर्शन में सोमवार को काटजू हॉस्पिटल, अनंत श्री हॉस्पिटल और आस्था हॉस्पिटल में फायर सेफ्टी टीम द्वारा व्यापक जांच की गई। इस जांच का उद्देश्य अस्पतालों की अग्नि सुरक्षा व्यवस्था की समीक्षा करना और उनमें सुधार के लिए आवश्यक दिशा - निर्देश देना था।

जांच के दौरान कई खामियां पाई गईं इन खामियों को गंभीरता से लेते हुए एसडीएम श्रीमती अर्चना शर्मा ने संबंधित अस्पताल प्रबंधकों को तत्काल सुधार करने के निर्देश दिए। उन्होंने स्पष्ट किया कि अग्नि सुरक्षा मानकों का पालन करना अनिवार्य है और इसमें किसी भी प्रकार की लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी। फायर सेफ्टी उपकरणों और व्यवस्थाओं का ठीक से काम करना अत्यंत आवश्यक है।

इसके साथ ही फायर सेफ्टी टीम ने अस्पताल कर्मचारियों को अग्नि सुरक्षा के प्रति जागरूक करने के लिए प्रशिक्षण देने का भी सुझाव दिया ताकि किसी भी आपात स्थिति में वे उचित कार्रवाई कर सकें।

अमरवाड़ा विधानसभा सीट के उपचुनाव में दांव पर रहेगी कमल नाथ की प्रतिष्ठा

मीडिया ऑडीटर, भोपाल (एजेंसी)। मध्य प्रदेश में छिंदवाड़ा जिला ही ऐसा रहा है, जहां कि सभी सातों विधानसभा सीटें 2018 और 2023 में कांग्रेस ने जीती थीं। इसका श्रेय पूर्व मुख्यमंत्री कमल नाथ को ही जाता है। दोनों चुनाव कमल नाथ के नाम पर लड़े गए। टिकट भी उन्हीं ने तय किए। बीच लोकसभा चुनाव में उनके भरोसेमंद साथी कमलेश शाह ने अमरवाड़ा विधानसभा सीट से त्यागपत्र देकर भाजपा की सदस्यता लेकर बड़ा झटका दिया। इसका नुकसान कमल नाथ के बेटे नकुल नाथ को लोकसभा चुनाव में हुआ और वे इस विधानसभा सीट पर भाजपा के विवेक बंटी साहू से 15 हजार 39 मतों से पीछे रह गए थे। अनुसूचित जनजाति वर्ग के लिए सुरक्षित छिंदवाड़ा जिले की अमरवाड़ा विधानसभा सीट से कभी कांग्रेस तो कभी भाजपा को बढ़त मिली है। 2008 से पार्टी ने यहां

कमलेश शाह को चुनाव मैदान में उतारा पर वे 1,140 मतों के अंतर से हार गए थे। 2013 के चुनाव में कमल नाथ ने फिर उन पर भरोसा जताया और उन्होंने 4,063 मतों के अंतर से जीत प्राप्त की। 2018 में 10,393 और 2023 के चुनाव में 25 हजार 286 मतों से पराजित कर फिर विधानसभा पहुंचे। आदिवासियों के बीच शाह की छवि का लाभ कांग्रेस को पूरे जिले में मिलता रहा। लोकसभा चुनाव में भाजपा ने कांग्रेस के किले में सेंध लगाने के लिए कमल नाथ के विश्वासपात्र कमलेश शाह को अपने पाले में करने में सफलता प्राप्त की। उन्होंने बाकी नेताओं की तरह पद पर बने रहने के स्थान पर पहले विधानसभा की सदस्यता से त्यागपत्र दिया और फिर विधिवत भाजपा में शामिल हुए। कांग्रेस पदाधिकारियों का कहना है कि यह उप चुनाव कांग्रेस और खासतौर पर कमल नाथ के लिए बहुत अहम है।

विश्वविद्यालयों, महाविद्यालयों के पुस्तकालयों को भारतीय ज्ञान परम्परा से जुड़े साहित्य से समृद्ध किया जायेगा-उच्च शिक्षा मंत्री श्री परमार

मीडिया ऑडीटर, भोपाल (एजेंसी)। उच्च शिक्षा, तकनीकी शिक्षा एवं आयुष मंत्री श्री इन्दर सिंह परमार ने कहा कि विश्वविद्यालयों, महाविद्यालयों में पुस्तकालयों को भारतीय ज्ञान परम्परा की पुस्तकों से समृद्ध किया जायेगा। वे मंत्रालय में उच्च शिक्षा विभाग की भारतीय ज्ञान परम्परा शीर्ष समिति की बैठक को संबोधित कर रहे थे। भारतीय ज्ञान परम्परा के विविध संदर्भों में आगामी कार्ययोजना पर विस्तृत चर्चा की गई। मंत्री श्री परमार ने कहा कि वर्तमान परिप्रेक्ष्य में पाठ्यक्रमों में राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 के अनुसरण में भारतीय ज्ञान परम्परा के समावेश के लिए विश्वविद्यालयों एवं महाविद्यालयों में कार्यशालाओं का आयोजन कर विषयविदों की सारगर्भित निष्कर्षगामी सार्थक सहभागिता सुनिश्चित की जाए। राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 के अनुरूप एवं भारतीय ज्ञान परम्परा से जुड़े साहित्य को प्रदेश के विश्वविद्यालयों एवं महाविद्यालयों के पुस्तकालयों में उपलब्ध किया जाना

सुनिश्चित करें। श्री परमार ने आगामी कार्यशालाओं में शीर्ष समिति के सदस्यों को जुड़कर सार्थक सहभागिता करने को भी कहा। उन्होंने कहा कि कार्यशालाओं में विषयविद पूर्णरूपेण उपस्थित रहें ताकि पुस्तक लेखन के लिए समयपूर्वक साहित्य सामग्री संकलन हो सके। प्रदेश के विश्वविद्यालयों एवं महाविद्यालयों में विद्यार्थियों के लिए भारतीय ज्ञान परम्परा आधारित ऑनलाइन प्रश्नमंच जैसी प्रतियोगिता आयोजित की जाएं। श्री परमार ने कहा कि भारतीय समाज में स्थापित मान्यता एवं परम्परा वैज्ञानिक दृष्टिकोण केंद्रित एवं जीवनोपयोगी है। भारतीय समाज का चिंतन एवं दृष्टिकोण तकनीक आधारित रहा है।

मध्य प्रदेश में शुरू होगी प्रीमियर क्रिकेट लीग, पहले सीजन में पांच टीमें लेंगी हिस्सा

मीडिया ऑडीटर, भोपाल (एजेंसी)। तमिलनाडु और उत्तर प्रदेश की तर्ज पर अब मध्य प्रदेश में भी क्रिकेट लीग शुरू होने जा रही है। इसके पहले संस्करण में पांच टीमें हिस्सा लेंगी। केंद्रीय मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया के बेटे महानआर्यमन सिंधिया ने सोमवार को भोपाल के एक निजी स्कूल के स्पोर्ट्स कांप्लेक्स में मप्र प्रीमियर लीग (एमपीएल) में भाग लेने वालीं पांचों टीमों की जर्सी व ट्रॉफी का अनावरण किया। युवा खिलाड़ियों को संबोधित करते हुए महाआर्यमन ने कहा कि मध्य प्रदेश के युवाओं में बहुत प्रतिभा है। इन्हें एक बेहतर मंच की जरूरत है। एमपीएल उन्हें यह मंच प्रदान करेगी। क्रिकेट से मेरे परिवार का पुराना नाता रहा है। मेरे दादाजी माधवराव सिंधिया ने क्रिकेट को देश-प्रदेश में बहुत बढ़ावा दिया। वह बीसीसीआइ के अध्यक्ष भी रहे। एमपीएल की शुरुआत उनके सपने को पूरा करने की एक कोशिश है। उन्होंने कहा कि एमपीएल के माध्यम से मध्य प्रदेश के युवा क्रिकेट खिलाड़ियों को अंतरराष्ट्रीय स्तर के खिलाड़ियों के साथ खेलने और सीखने का मौका मिलेगा। इन सितारों में भारतीय टीम के वेंकटेश अय्यर, रजत पाटीदार व आइपीएल खिलाड़ी अरशद खान जैसे क्रिकेटर भी खेलेंगे। इनका अनुभव राज्य के युवाओं को और बेहतर क्रिकेटर बनाने में मदद करेगा। महानआर्यमन ने विभिन्न टीमों के मालिकों के साथ मिलकर ग्वालियर, भोपाल, रीवा, मालवा व जबलपुर टीम की जर्सी व एमपीएल की ट्राफी का अनावरण किया। इस अवसर पर मध्य प्रदेश क्रिकेट एसोसिएशन के अध्यक्ष अभिलाष खांडेकर, एमपीएल के सदस्य व टीमों के खिलाड़ी उपस्थित रहे।

चीतों के नए घर गांधी सागर अभयारण्य पर अब नई सरकार लेगी निर्णय

मीडिया ऑडीटर, भोपाल (एजेंसी)। चीतों के लिए नया ठिकाना अब केंद्र की नई सरकार तय करेगी। लोकसभा चुनाव की आचार संहिता लागू होने के चलते इस पर निर्णय नहीं हो सका था। आचार संहिता हटने के बाद दिल्ली में 10 जून को बैठक आयोजित की गई थी, लेकिन मोदी कैबिनेट के शपथ ग्रहण समारोह के चलते बैठक निरस्त कर दी गई। श्योपुर के कूनो नेशनल पार्क के अतिरिक्त चीतों को अन्य स्थान पर भी बसाने का निर्णय अगली बैठक में लिया जाएगा। इसके लिए मध्य प्रदेश में ही गांधी सागर अभयारण्य लगभग तैयार कर लिया गया है। चीतों की खुराक लिए यहां 300 से अधिक चीतल छोड़े जा रहे हैं। गांधी सागर में चीता पुनर्वास का

पुराना प्लान निरस्त कर नया प्लान स्वीकृत कर दिया गया। वन विभाग ने वनमंडल मंदसौर के अंतर्गत गांधी सागर अभयारण्य अंतर्गत चीता पुनर्वास के लिए वन्यप्राणी संरक्षण एवं रहवास विकास कार्यों के लिए 31 अगस्त 2022 को 84 लाख रुपये के चार वर्षीय प्रोजेक्ट को स्वीकृत किया था, लेकिन अब इस प्रोजेक्ट को निरस्त कर दिया गया है। इसके पीछे कारण बताया गया कि यह प्रोजेक्ट वाइल्ड लाइफ कंजर्वेशन प्लान के अनुरुप नहीं था। इसके स्थान पर अब 10 वर्षीय प्लान स्वीकृत किया गया है, जिसमें 43 लाख 20 हजार रुपये की राशि मंजूर की गई है। यह राशि टाइगर फाउंडेशन समिति से ली जाएगी। नए दस वर्षीय प्लान के अनुसार, गांधी सागर अभयारण्य में वन्यप्राणियों के लिए वाटर सोर्स पर दो लाख रुपये, वन्यजीवों के संरक्षण के लिए बुनियादी ढांचे, बचाव वार्ड, पशु चिकित्सा निधि, पिंजरों आदि के निर्माण के लिए चार लाख रुपये, रावलीकुडी बीट में जलाशय बनाने पर 11 लाख रुपये। बीट करनापुरा में जलाशय की मरम्मत पर छह लाख रुपये, बीट खेमला पश्चिम क्रमांक 449 में जलोद्धार के लिए तीन लाख रुपये, बीट रावलकुडी क्रमांक 944 में जलोद्धार के लिए तीन लाख रुपये, नीमचौक में चीता फेंसिंग क्षेत्र में चारागाह विकास के लिए छह लाख रुपये, गांधीसागर में कैम्पों, खेल व क्रीज काम्पीटशन के माध्यम से जागरुकता कार्यक्रम चलाने पर पांच लाख 20 हजार रुपये और थर्ड पार्टी मानीटरिंग के लिए एक लाख रुपये का बजट प्रविधान किया गया है।

भदभदा बस्ती से बेघर हुए परिवारों ने कलेक्ट्रेट का किया घेराव, आवास देने की मांग

मीडिया ऑडीटर, भोपाल (एजेंसी)। भदभदा बस्ती से हटाए लोगों ने मंगलवार को कलेक्ट्रेट का घेराव कर लिया। बताया जाता है कि विस्थापित परिवारों के लोग महिला और बच्चों सहित मंगलवार सुबह साढ़े नौ बजे ही कलेक्ट्रेट पहुंच गए थे। जब ना तो कोई पुलिस बल तैनात था और ना ही कोई अधिकारी थे।

वह सीधे गेट से अंदर जा पहुंचे और कलेक्ट्रेट के मुख्य द्वार पर ही धरना प्रदर्शन करने लगे। उनके साथ कांग्रेस के पूर्व विधायक पीसी शर्मा और नगर निगम की नेता प्रतिपक्ष शबिस्ता जकी भी मौजूद हैं। कई महिलाएं तो बच्चों के साथ मुख्य गेट पर ही बैठ गईं। उनका कहना है कि फरवरी में उन्हें जिला प्रशासन ने एनजीटी के आदेश के बाद

सख्ती से हटा दिया था, लेकिन घर के बदले घर नहीं दिया। इससे आज वे बेघर हो गए हैं। जो एक लाख रुपए दिए थे, वो भी किराए में ही खर्च हो गए। एनजीटी के आदेश के बाद जिला प्रशासन ने बड़ी झील के किनारे भदभदा बस्ती के अतिक्रमण को हटा दिया है। इससे पहले नगर निगम की ओर से मुनादी भी कराई थी। वहीं, रहवासियों को अतिक्रमण हटाने के लिए तीन दिन का समय दिया था। कलेक्टर कौशलेंद्र विक्रम सिंह ने बताया कि जो रहवासी प्रधानमंत्री आवास योजना के तहत मकान चाहते हैं, उन्हें आवेदन करने पर लोन और घर दिया जाएगा। इन्हें जिला प्रशासन पूरा सहयोग करेगा। चांदबड़ में जगह भी चयनित की गई है। वे वहां भी शिफ्ट हो सकते हैं। मुआवजा राशि के चेक लेकर भी वे शिफ्ट हो सकते हैं।

नियमों की अवहेलना करने वाले वाहन चालको के विरूद्ध चला पुलिस का चाबुक, बस आटो जप्त

4306 चालको से वसूला 15 लाख रूपए से अधिक का समन शुल्क : डीडी सिंह

मीडिया ऑडीटर, सीधी निप्र। जिला मुख्यालय में सरल सुगम यातायात व्यवस्था मुहैया कराने की दृष्टि से यातायात विभाग द्वारा लगातार अनुनय विनय के साथ ही विधिक कार्रवाई भी की जा रही है। इसी तारतम्य में मंगलवार को पुलिस अधीक्षक डॉ.रविन्द्र वर्मा के निर्देशन में डीडी सिंह यातायाता प्रभारी द्वारा अभियान चला कर सार्वजनिक मार्ग को वाधित करने वाले बस, आटो, दो पहिया, चार पहिया वाहन चालकों के विरूद्ध विधिक कार्रवाई की गयी।

डीडी सिंह यातायात प्रभारी ने चर्चा के दौरान बताया कि पुलिस अधीक्षक एवं अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक के निर्देशन में यातायात पुलिस द्वारा अभियान चलाया जा रहा है। जिसके तहत छात्र छात्राओं को यातायात नियमों के प्रति एक बार फिर जागरूक किया जाएगा एवं जिले के समस्त वाहन चालकों से अपील की जायेगी की वे शासन द्वारा जारी दिशा निर्देशों का पालन कर सरल सुगम यातायात व्यवस्था मुहैया कराने में सहयोग दर्ज करें। सिंह ने बताया कि 11 जून 24 मंगलवार को स्थानीय सम्राट चौक पर यातायात व्यवस्था वाधित करते हुए कई बसें खड़ी थीं, जिन्हे पूर्व में कई बार अनुनय विनय कर यातायात नियमों के पालन हेतु प्रेरित किया गया था किन्तु उसके बाद भी नियमों की अवहेलना की जा रही थी। जिसको देखते हुए आधा दर्जन से अधिक वाहनो को पुलिस अभिरक्षा में लेकर उनके विरूद्ध विधिक कार्रवाई को गति दी जा रही है।

15 लाख रूपए से अधिक के कटे चालान –

यातायात प्रभारी डीडी सिंह ने चर्चा के दौरान बताया कि जिले में आए दिन गंभीर रूप से लोग सड़क दुर्घटना के शिकार होते हैं। जिसकी मुख्य वजह शासन द्वारा जारी दिशा निर्देशों का पालन न करना एवं तीव्र गति से वाहन चलाना पाया जाता है। कई सड़क दुर्घटनाओं में तो कई घरों के चिराग भी बुझ जाते हैं। जिन्हे देखते हुए वरिष्ट अधिकारियों के निर्देशन में अभियान के तहत कार्रवाई की जा रही है। श्री सिंह ने आगे बताया कि यातायात नियमो की अवहेलना करने वाले ऐसे वाहन चालक जिनकी लापरवाही से अन्य निर्दोश वाहन चालाकों को सजा भुगतनी पड़ती है। ऐसे वाहन चालको के विरूद्ध चालानी कार्रवाई को लगातार गति दी जा रही है। जिसके तहत माह जनवरी 2024 में दो पहिया पहिया, तीन पहिया, चार पहिया, बस, ट्रक, टेंकर सहित अन्य 1108 वाहन चालको के विरूद्ध चालानी कार्रवाई करते हुए 4,75,900 रूपए समन शुल्क वसूला गया। इसके साथ ही फरवरी माह में 898 चालान कर 2,93,300 रूपए, मार्च माह में 844 चालान कर 2,74,300 रूपए, अप्रैल माह में 616 चालान कर 2,09,000 समन शुल्क, मई माह में 840 चालान कर 2,76,300 रूपए वसूले गयें। इसके साथ ही विगत पॉच माह में यातायात नियमों की अवहेलना करने वाले 4306 लापरवाह वाहन चालको से 15,28,800 रूपए समन शुल्क वसूले गये हैं।

इनका कहना है –

जिले के समस्त वाहन चालको से विनम्र अपील है कि यातायात नियमों का पालन करें। जिससे खुद का एवं सामने वाले वाहन चालक का जीवन सुरक्षित रहे व सरल सुगम यातायात व्यवस्था मुहैया हो सके। वाहनो को सार्वजनिक मार्ग में पार्क न करें। नशा की हालत में वाहन न चलायें, दो पहिया वाहन चलाते समय हेलमेट एवं चार पहिया वाहन चलाते समय सीट बेल्ट अवश्य धारण करें। विगत पॉच माह में यातायात नियमों की अवहेलना करने वाले 4306 लापरवाह वाहन चालको से 15,28,800 रूपए समन शुल्क वसूले गये हैं।

डी.डी. सिंह, थाना प्रभारी यातायात सीधी।

एमपी किसान पोर्टल पर ऑनलाइन रजिस्ट्रेशन के बाद ही किसानों को खाद-बीज व उपकरणों पर मिलेगी सब्सिडी

मीडिया ऑडीटर, सीधी निप्र। उपसंचालक किसान कल्याण तथा कृषि विकास ने जानकारी देकर बताया है कि सीधी जिले के किसानों के यहां वर्ष 2024-25 में विभागीय समस्त कृषि योजनाओं का लाभ लेने के लिए अब शासन द्वारा एमपी किसान पोर्टल पर ऑनलाइन रजिस्ट्रेशन करवाना अनिवार्य कर दिया गया है। अब किसानों को खाद-बीज, सिंचाई, कृषि उपकरणों में सब्सिडी जैसी अनेक लाभकारी योजनाओं में फायदा रजिस्ट्रेशन करवाने के बाद ही मिल सकेगा। इस नए आदेश के बाद जिले के ज्यादा किसानों को इससे फायदा मिलेगा। एम.पी. किसान पोर्टल पर आनलाइन पंजीयन नहीं करवाने वाले किसानों को कृषि विभाग की किसी भी योजना का लाभ नहीं मिलेगा।

उप संचालक कृषि ने बताया कि पंजीयन के लिए वेब ब्राउजर पर वेबसाइट के माध्यम से स्वयं अथवा नजदीकी एमपी ऑनलाइन पर जाकर आवेदन कर सकते हैं। कृषि विभाग के ऑनलाइन पोर्टल पर पंजीयन के बाद ही कृषि विभाग की तमाम योजनाओं का लाभ मिल साकेगा। रजिस्ट्रेशन के लिये- (1) किसान पोर्टल पर जाने के लिए दिए गए यू.आर.एल. वेबसाइट वेब ब्राउजर पर अंकित करें। फिर कृषि योजना में पंजीयन के लिए क्लिक करें। (2) कृषि योजना पर पंजीयन करें लिंक पर क्लिक करने के बाद नया टैब में पेज ओपन हो जाएगा। इसके बाद इसमें पंजीयन के लिए जरूरी दस्तावेजो की जानकारी मिलेगी। (3) कृषक का आधार कार्ड, कृषक की भूमि से संबंधित जानकारी, कृषक की समग्र आई.डी., जाति प्रमाण-पत्र आदि दस्तावेज।

जल गंगा संवर्धन अभियान के तहत शीतल दास तालाब में गहरीकरण एवं घाट सफाई अभियान चलाया गया

मीडिया ऑडीटर, सीधी निप्र। जिल गंगा संवर्धन अभियान के जल स्रोत पुनर्जीवन के तहत नगर पालिका सीधी क्षेत्रान्तर्गत मंगलवार को शीतल दास तालाब में गहरीकरण एवं घाट सफाई अभियान चलाया गया , गहरीकरण उपरांत जल का निकलना शुरू हो गया। कार्यक्रम में नगर पालिका अध्यक्ष काजल वर्मा, पार्षदगण पूनम सोनी, कुमुदनी सिंह, बाबूलाल कुशवाहा, रजनीश श्रीवास्तव, मुख्य नगर पालिका अधिकारी मिनी अग्रवाल, सहायक यंत्री एस एल त्रिपाठी, उपयंत्री अशोक मिश्रा, बीके तिवारी, लेखापाल राघवभन, स्वच्छता प्रभारी गौरव सिंह, एनयूएलएम से मनोज चौबे, संदीप मिश्रा, प्रदीप द्विवेदी, दिलीप सहित गणमान्य नागरिकों द्वारा सहभागिता की गई।

जल संरक्षण और संवर्धन हमारी प्राचीन परंपरा है : मुख्यमंत्री

मीडिया ऑडीटर, सीधी निप्र। मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव ने वीडियो कान्फ्रेंसिंग के माध्यम से जल गंगा संवर्धन अभियान की समीक्षा की। मुख्यमंत्री ने कहा कि पूरे प्रदेश में 5 जून से जल संवर्धन और संरक्षण के लिए अभियान चलाया जा रहा है। कई जिलों में बहुत अच्छा कार्य हो रहा है। जल संरक्षण और संवर्धन हमारी प्राचीन परंपरा है। वृक्षों और जल स्रोतों में भी हम देवताओं का वास मानते हैं। नदियों की देवियों की तरह पूजा की जाती है। पूरे प्रदेश में लाखों तालाब, प्राचीन बावड़ी, कुएं तथा अन्य जल संरचनाएं हमारी जल संरक्षण की परंपरा के गवाह हैं। जल गंगा संवर्धन अभियान में इनका जीर्णोद्धार करके नया स्वरूप दें जिससे वर्षाकाल में अधिक से अधिक जल का संग्रहण हो सके। अच्छी वर्षा होने के बाद शहरी और ग्रामीण क्षेत्रों में वृक्षारोपण का अभियान चलाएं। रोपित पौधों की सुरक्षा और देखभाल का भी पूरा प्रबंध करें। जल गंगा संवर्धन अभियान के तहत नदियों के उद्गम स्थलों की साफ-सफाई तथा विकास का कार्य कराएं।

मुख्यमंत्री ने कहा कि सांसदगण तथा विधायकगण मिलकर जिले और विधानसभा क्षेत्र के विकास के लिए पाँच साल का रोडमैप बनाएं। इसमें विकास के लिए आवश्यक कार्यों को शामिल कराएं। इस रोडमैप के अनुसार विकास के कार्य किए जाएंगे। इनकी नियमित समीक्षा भी सुनिश्चित की जाएगी। प्रदेश को इन्फार्मेशन टेक्नालाजी, शिक्षा तथा स्वास्थ्य के क्षेत्र में विकास का केन्द्र बनाया जाएगा। कृषि उत्पादन बढ़ाने तथा व्यावसायिक मांग के अनुरूप फसलों के लिए किसानों को प्रोत्साहित किया जाएगा। प्रदेश के ऐसे प्रतिभाशाली व्यक्ति जो देश और विदेश में विभिन्न क्षेत्रों में सफलता प्राप्त कर रहे हैं उन्हें प्रदेश में आकर्षित करने के लिए भी प्रयास किया जाएगा।

कुसमी एवं मझौली पुलिस ने आधा दर्जन गुमशुदा को खोज कर किया परिजनो के सुपुर्द, चेहरे पर लौटाई मुस्कान

मीडिया ऑडीटर, सीधी निप्र। पुलिस अधीक्षक डॉ रविंद्र वर्मा के निर्देशन एवं अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक अरविन्द श्रीवास्तव के मार्गदर्शन व थाना प्रभारी कुसमी भूपेश सिंह व थाना प्रभारी मझौली दीपक बघेल के नेतृत्व मे चौकी पोंड़ी एवं पथरौला पुलिस द्वारा तीन तीन गुमशुदाओं को दस्तयाब कर परिजनों को सुपुर्द किया गया। पुलिस अधीक्षक के निर्देशन में चले अभियान के तहत की गई कार्रवाई के बाद 6 घरों में पुन: खुशी की लहर देखने को मिली।

थाना प्रभारी कुसमी भूपेश सिंह के नेतृत्व में चौकी पुलिस पोड़ी द्वारा की गई दस्तयाबी कार्रवाई के विषय में बताया गया कि 20 मार्च 24 को गुमशुदा को खोज कर परिजनो को सुपुर्द किया गया। इसी प्रकार 21 अप्रैल 24 को गुमशुदा को खोज कर परिजनो के सुपुर्द किया गया। इसी प्रकार तीसरे प्रकरण में थाना कुसमी के गुम इंसान क्र. 14/24 जो 5 मई 24 को गुम हो गई थी जिसे दस्तयाब कर परिजनो को सुपुर्द किया गया दस्तयाबी हेतु उपर्युक्त सम्पूर्ण कार्यवाही मे सउनि जय नारायण श्रीवास्तव, वीरेंद्र रावत, उमेश द्विवेदी, नितेश सिंह, जगदीश शुक्ला सहित अन्य का अहम योगदान रहा।

पथरौला पुलिस ने लौटाई तीन घरों में खुशियॉ –

फरियादी शिवचरण सिंह गोंड थाना में आकर शिकायत दर्ज कराया की अनुराग सिंह पिता शिव चरण सिंह 18 वर्ष 2 माह निवासी आमगांव टोला नवानगर चौकी पोंडी थाना कुसमी अपने मौसी के घर से ग्राम बरमानी चौकी पथरौला से 03.07.2024 को घर से बिना बताए कहीं चला गया जो फरियादी की रिपोर्ट पर चौकी पथरौला पुलिस द्वारा दस्तयाब कर परिजनों के सुपुर्द किया गया। इसी प्रकार अन्य गुम इंसान प्रकरण में कार्रवाई करते हुए पुलिस द्वारा कार्रवाई कर गुमशुदा लोगों को खोज कर परिजनो के सुपुर्द किया गया।

कार्यालय नगर पालिक निगम, रीवा (म.प्र.)

क्रमांक 1746/न.पा.नि./राजस्व/2024-25 रीवा, दिनांक 10/06/2024

अचल सम्पत्ति नामांतरण विज्ञप्ति

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि पूर्व नगर सुधार न्यास रीवा की योजना क्रमांक-8 इन्दिरा नगर रीवा जो नगर पालिक निगम रीवा के स्वामित्व में है, में स्थित जूनियर एम.आई.जी. भवन क्रमांक 1/37/666 क्षेत्रफल 1364.90 वर्गफिट डॉ अनुभव श्रीवास्तव पिता श्री अश्वनी श्रीवास्वत को 30 वर्षीय लीज पर आवंटित है, जिसका नामान्तरण श्रीमती रेखा सोनी पति श्री कमल सोनी निवासी 31/443 तरहटी रीवा मध्यप्रदेश के नाम किये जाने हेतु दिनांक 29.04.2024 को आवेदन पत्र प्रस्तुत किया गया है। उक्त जूनियर एम.आई.जी. भवन क्रमांक 1/37/666 के नामांतरण में किसी व्यक्ति/संस्था को कोई आपत्ति हो, तो समाचार पत्रों में इस विज्ञप्ति के प्रकाशन के 15 दिवस की अवधि तक कार्यालय नगर पालिक निगम रीवा में प्रमाणित अभिलेखों के साथ उपस्थित होकर लिखित में अपनी आपत्ति प्रस्तुत कर सकते है। निर्धारित समयावधि के पश्चात कोई आवेदन/आपत्ति न तो ग्रहण की जावेगी और न ही मान्य की जावेगी। तत्पश्चात आवेदक डॉ. अनुभव श्रीवास्तव पिता श्री अश्वनी श्रीवास्तव निवासी गीता नगर इन्दौर (म.प्र.) के आवेदन अनुसार जूनियर एम.आई.जी. भवन क्रमांक 1/37/666 का नामान्तरण श्रीमती रेखा सोनी पति श्री कमल सोनी निवासी 31/443 तरहटी रीवा (म.प्र.) के नाम करने की कार्यवाही की जावेगी।

उपायुक्त (राजस्व)
नगर पालिक निगम रीवा (म.प्र.)

शिवसेना ने आईजी के नाम सौंपा ज्ञापन

जिले में लगातार हो रही गौ हत्या एवं तस्करी पर कड़ी कार्रवाई की मांग

मीडिया ऑडीटर, सीधी निप्र। शिवसेना जिला इकाई ने पुलिस महानिरीक्षक के नाम माध्यम सीधी डीएसपी को ज्ञापन सौंप कर गौ हत्यारों के विरूद्ध त्वरित एवं विधिक कार्रवाई की मांग की है। विवेक पांडे ने बताया की जिले में लगातार गौ हत्या की घटना घटित हो रही है। उसके बाद भी स्थानीय पुलिस प्रशासन चुप्पी साधे बैठा है, विगत एक माह के अंदर लगातार तीसरी बार इस बार मानवता को शर्मसार करने वाली घटना संज्ञान में आई है। हालही में गोवंश को मारकर पकाने का अरोप झूलधर साकेत पिता वंश रखन साकेत अन्य दो अन्य आरोपियो पर लगा है।

जिले में लगातार इस तरह की घटनाएं घटित होती रहती हैं। पाण्डे ने आगे कहा कि इस तरह के घिनौने अपराध पर प्रशासनिक अधिकारी आखिर कब तक लगाम लगा पाएंगे अगर ऐसा ही वातावरण बना रहा तो शिव सैनिक शांत नहीं बैठेंगे भले ही आर या पार की लड़ाई लड़ना पड़े। जिले में गोवंश की तस्करी का खेल जोरों पर चल रहा है यह दुर्भाग्य का विषय है। पाण्डे ने सौंपे ज्ञापन के माध्यम से प्रशासन को अवगत किया कि यदि त्वरित रूप से गौ तस्करी एवं गौ हत्यारों के विरूद्ध कड़ी कार्रवाई नही की जाती है तो शिवसैनिक उग्र प्रदर्शन करेंगे।

ज्ञापन सौंपने के दौरान प्रमुख रूप से प्रदेश उपाध्यक्ष विवेक पांडे, संभाग उपाध्यक्ष प्रदीप विश्वकर्मा, जिला उपाध्यक्ष संत कुमार केवट, जिला मंत्री सुनील रावत, नगर अध्यक्ष बेनाम सिंह बघेल उर्फ भोले, नगर संपर्क अध्यक्ष मुन्ना सिंह चौहान, नगर उपाध्यक्ष मोनू मिश्रा, नगर सहसंयोजक राजन मिश्रा, पुष्पेंद्र त्रिपाठी, सुंदर रजक सहित अन्य शिव सैनिक मौजूद रहें।

जल गंगा संवर्धन अभियान अंतर्गत जिले में जल संरचनाओं के सुदृढ़ीकरण के कार्य जारी

मीडिया ऑडीटर, सीधी निप्र। जल गंगा संवर्धन अभियान अंतर्गत जिले में 12 करोड़ 7 लाख 93 हजार रूपये के लागत के 570 नवीन कार्य स्वीकृत किये गये हैं। साथ ही जीर्णोद्धार के लिए 3 करोड़ 86 लाख 32 हजार रूपये के 188 कार्य स्वीकृत किये गये हैं। जल गंगा संवर्धन अभियान अंतर्गत ग्रामीण क्षेत्र अंतर्गत 12 करोड़ 7 लाख 65 हजार रूपये लागत के 475 नवीन कार्य एवं जीर्णोद्धार के लिए 3 करोड़ 81 लाख 97 हजार रूपये लागत के 175 कार्यों को स्वीकृति प्रदान की गई है।

ग्रामीण क्षेत्र अंतर्गत तालाब निर्माण/जीर्णोद्धार/गहरीकरण हेतु 2 करोड़ 50 लाख 7 हजार रूपये लागत के 92 जीर्णोद्धार कार्य, चेकडेम/सटॉपडेम के 5 नवीन कार्य हेतु 68 लाख 19 हजार रूपये एवं 72 जीर्णोद्धार कार्य हेतु 1 करोड़ 31 लाख 90 हजार रूपये, खेत तालाब के 43 नवीन कार्य हेतु 1 करोड़ 27 लाख 60 हजार रूपये, गेबियन संरचना के 54 नवीन कार्य हेतु 25 लाख 36 हजार रूपये, कुआॅ/बावडी के 26 नवीन कार्य हेतु 45 लाख रूपये, रिचार्ज पिट के 21 नवीन कार्य हेतु 4 लाख रूपये, वृक्षरोपण के 156 नवीन कार्य हेतु 3 करोड़ 97 लाख रूपये एवं अभियान से संबंधित अन्य 170 कार्य हेतु 5 करोड़ 40 लाख 50 हजार रूपये की राशि स्वीकृत की गई है।

कार्यालय नगर पालिक निगम रीवा, जिला- रीवा (म. प्र.)

// निविदा सूचना- 2nd CALL //

NIT क्रमांक 187/ई-टेंडर/राजस्व/न.पा.नि/24 रीवा, दिनांक 22/02/2024

निम्नलिखित कार्य हेतु केन्द्रीयकृत प्रणाली में पंजीकृत ठेकेदारों से ऑनलजाईन निविदाएँ आमंत्रित की जाती हैं। निविदा का विस्तृत विवरण बेवसाइट https://mptenders.gov.in पर देखा जा सकता है।

क.	टेण्डर क्रमांक एवं जारी दिनांक	कार्य का नाम	कार्य की समयावधि एवं लागत	निविदाप्रपत्र का मूल्य एवं EMD	निविदा की अंतिमतिथि
1	2	3	4	5	6
1.	2024_UAD_336205_2 11.06.2024 [SECOND CALL]	नगर पालिक निगम रीवा क्षेत्रान्तर्गत अशोक मिष्ठान भण्डार के बगल में स्थित पार्किंग फीस वसूली का कार्य।	09 माह रू 118333/-	रू 1000/- रू279583/-	18.06.2024 17:30 बजें तक।

नोट:- निविदा से संबंधित किसी भी प्रकार के संशोधन का प्रकाशन ऑनलाईन की वेबसाइट **https://mptenders.gov.in** पर ही किया जायेगा, पृथक से समाचार पत्र में प्रकाशन नहीं किया जावेगा।

सहायक आयुक्त वित्त
नगर पालिक निगम
रीवा (म.प्र.)

दुष्कर्म के आरोपी को कमर्जी पुलिस ने किया गिरफ्तार, घटना में प्रयुक्त कार जप्त

मीडिया ऑडीटर, सीधी निप्र। पुलिस अधीक्षक डॉ. रविन्द्र वर्मा के निर्देशन तथा अति.पुलिस अधीक्षक अरविंद श्रीवास्तव मार्गदर्शन एवं थाना प्रभारी कमर्जी पवन सिंह के नेतृत्व मे कमर्जी पुलिस ने दुष्कर्म के आरोपी को गिरफ्तार कर न्यायालय के समक्ष प्रस्तुत करते हुए जिला जेल पड़रा तक पहुॅचाया गया।

कमर्जी पुलिस से मिली जानकारी के आधार पर 8 जून 24 को शिकायत प्राप्त हुई कि 7 जून को पीड़िता अपने घर से पैदल मध्यांचल बैंक कमर्जी पटपरा में पैसा जमा करने जा रही थी।

तभी रास्ते में आरोपी मिला और बोला कि आओ मेरी गाड़ी में बैठ जाओ तब पीड़िता के मना करने पर जबरजस्ती हांथ पकड़कर कार में बैठा लिया और फिर तुर्रा पहाड़ी के किनारे ले जाकर अपनी कार रोककर पीड़िता के साथ जबरजस्ती बलात्संग किया। घटना के उपरांत पीड़िता को जख्मी हालत में उपचार हेतु अस्पताल लेकर आया गया।

स्वास्थ्य में सुधार होने पर पीड़िता अपने पति और बहन के साथ पुलिस में लिखित शिकायत दर्ज करा कर पूरे घटनाक्रम से अवगत किया। फरियादिया कि रिपोर्ट पर पुलिस द्वारा धारा 376, 323, 506 ताहि. एवं एससीएसटी एक्ट कायम कर विवेचना मे लिया जाकर आरोपी की पता तलाश प्रारंम्भ की गई जिसे 9 जून को घटना में प्रयुक्त कार के साथ गिरफ्तार कर न्यायालय में पेश किया गया।

कार्यालय नगर परिषद मनगवां जिला रीवा (म.प्र.)

क्रमांक/416/ई - निविदा/न.प./2024 मनगवां, दिनांक- 10.06.2024

प्रथम निविदा (सेक्सन - 1)

ई निविदा आमंत्रण सूचना

नगर परिषद मनगवां द्वारा निम्नानुसार स्वच्छ सर्वेक्षण 2024 अन्तर्गत एस.टी.पी. परियोजना के कार्यो हेतु ऑनलाईन निविदा ई-टेण्डरिंग के माध्यम से आमंत्रित की जाती है। इच्छुक पंजीकृत फर्म द्वारा निविदा प्रपत्र क्रय डाउनलोड करने एवं निविदा से संबंधित समस्त शर्ते एवं जानकारी वेबसाइट www.mpteders.gov.in पर Urban Adminstration Development Department से एवं कार्यालय नगर परिषद मनगवां से प्राप्त की जा सकती हैं। निविदा में किसी प्रकार का संशोधन केवल वेबसाइट पर ही प्रकाशित किया जावेगा। विवरण निम्नानुसार है।

क्र.	टेण्डर क्रमांक	कार्य का नाम	अनुमानत लागत	अमानत राशि	निविदा फार्म का मूल्य	कार्य अवधि
01	2024_UAD_349082_1	एसबी 2 के तहत मनगवां टाऊन में एसटीपी कार्यों की परियोजना के साथ नालों को रोकना और मोड़ना	29249000.00	146245.00	15000.00	12 माह

उक्त कार्य हेतु निविदा प्रपत्र उपरोक्तानुसार दिये गये दिनॉक 06.06.2024 सुबह 10:30 से दिनाँक 06.07.2024 तक सायं 05:30 तक वेवसाईट पर लागू प्रोसेसिंग शुल्क के ऑन लाईन भुगतान कर प्राप्त किये जा सकेगें ।

(श्रीमती बुटला बंसल)
अध्यक्ष
नगर परिषद मनगवाँ
जिला रीवा (म.प्र.)

(सुरेश कुमार सोनवानी)
मुख्य नगर पालिका
अधिकारी नगर परिषद
मनगवाँ जिला रीवा (म.प्र.)

विचार

भारत का बदलता परिदृश्य

इतिहास साक्षी है कि किसी राष्ट्र का गौरव तभी जाग्रत रहता है जब वो अपने स्वाभिमान और बलिदान की परम्पराओं को अगली पीढ़ी को भी सिखाता है, संस्कारित करता है, उन्हें इसके लिए निरंतर प्रेरित करता है। किसी राष्ट्र का भविष्य तभी उज्ज्वल होता है जब वो अपने अतीत के अनुभवों और विरासत के गर्व से पल-पल जुड़ा रहता है। फिर भारत के पास तो गर्व करने के लिए अथाह भंडार है, समृद्ध इतिहास है, चेतनामय सांस्कृतिक विरासत है।जब हम गुलामी के उस दौर की कल्पना करते हैं, जहां करोड़ों-करोड़ लोगों ने सदियों तक आज़ादी की एक सुबह का इंतज़ार किया, तब ये अहसास और बढ़ता है कि आज़ादी के 75 साल का अवसर कितना ऐतिहासिक है, कितना गौरवशाली है। इस पर्व में शाश्वत भारत की परंपरा भी है, स्वाधीनता संग्राम की परछाई भी है, और आज़ाद भारत की गौरवान्वित करने वाली प्रगति भी है। हम भारत में हो रहे बड़े बदलावों और विकास कार्यों की दहलीज पर खड़े हैं। यह हर भारतीय के लिए उम्मीदों भरा दौर है, एक ऐसा दौर है जिसमें वे बेहतर जिंदगी और बेहतर देश का ख्वाब देख सकते हैं। लिहाजा, यही वह वक्त है, जब हम भविष्य के भारत का ताना-बाना बुनें। हालाँकि जब हम सावधानीपूर्वक इस ओर देखें कि देश क्या बन सकता है तो हमें इस तथ्यात्मक तस्वीर को भी अनदेखा नहीं करना चाहिए कि भारत का एक गौरवशाली अतीत भी है, न सिर्फ आर्थिक समृद्धि के पैमाने पर बल्कि नैतिक मूल्यों के पैमाने पर भी। हमें भारतीय होने पर गर्व है और उन मूल्यों पर भी, जो भारत के साथ जुड़े हैं। एक पुरानी कहावत है कि भारत एक नया देश है, लेकिन एक प्राचीन सभ्यता है और इस सभ्यता ने अपने पूरे इतिहास में जबरदस्त परिवर्तन देखा है। प्राचीन समय में दुनिया का एजुकेशन हब होने से लेकर आज दुनिया का आईटी हब बनने तक, भारतीय परिदृश्य ने एक लंबा सफर तय किया है। 15 अगस्त 1947 को अपने संदर्भ के ढांचे के रूप में लेते हुए, हम पाते हैं कि विज्ञान और प्रौद्योगिकी, अर्थव्यवस्था और मानव विकास जैसे कई क्षेत्र हैं जहां भारत ने उल्लेखनीय प्रगति दिखाई है। हालाँकि, स्वास्थ्य और शिक्षा जैसे कुछ क्षेत्रों पर अभी भी ध्यान दिया जाता है। जब अंग्रेजों ने भारत छोड़ा, तो वे अपने पीछे एक टूटा हुआ, जरूरतमंद, अविकसित और आर्थिक रूप से अस्थिर देश छोड़ गए। स्वतंत्रता के बाद, भारत ने अपनी पहली पंचवर्षीय योजना में वैज्ञानिक अनुसंधान को प्राथमिकता दी। इसने ढ्ढढ्ढञ्ज और ढ्ढढ्ढस्ष्ट जैसे प्रतिष्ठित वैज्ञानिक संस्थानों का मार्ग प्रशस्त किया। स्वतंत्रता के केवल तीन वर्षों के बाद, 1950 में भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान की स्थापना हुई। इन संस्थानों ने विदेशी संस्थानों की सहायता से भारत में अनुसंधान को बढ़ावा दिया। 1975 में अपना पहला उपग्रह आर्यभट्ट लॉन्च करने से लेकर मंगल ग्रह की कक्षा में पहुंचने वाला पहला देश होने तक, भारत ने भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन (ढ्ढस्क्रह्र) की बदौलत अंतरिक्ष अनुसंधान प्रौद्योगिकी के क्षेत्र में आत्मविश्वास से भरे कदम उठाए हैं। हम गर्व से कह सकते हैं कि भारत संयुक्त राज्य अमेरिका और चीन जैसे देशों के बराबर खड़ा है, वही जैव प्रौद्योगिकी के क्षेत्र में भी जाता है जहां भारत पूरी दुनिया के लिए टीके का उत्पादन कर रहा है। क्क्ष्ठ की सफलता दुनिया के लिए एक केस स्टडी भी है जिसमें 9.36 बिलियन रुपये का लेनदेन हुआ है। केवल 2022 की पहली तिमाही में 10.2 ट्रिलियन। भारत को अपनी स्वतंत्रता के बाद कई मुद्दों का सामना करना पड़ा, जिनमें अशिक्षा, भ्रष्टाचार, गरीबी, लैंगिक भेदभाव, अस्पृश्यता, क्षेत्रवाद और सांप्रदायिकता शामिल हैं। कई मुद्दों ने भारत के आर्थिक विकास के लिए प्रमुख बाधाओं के रूप में काम किया है। 1947 में जब भारत ने अपनी स्वतंत्रता की घोषणा की, तो इसका सकल घरेलू उत्पाद मात्र 2.7 लाख करोड़ था, जो विश्व के सकल घरेलू उत्पाद का 3त्न था। 1965 में भारत में हरित क्रांति की शुरुआत हरित क्रांति के जनक एम. एस. स्वामीनाथन ने की थी। हरित क्रांति के दौरान, उच्च उपज वाले गेहूं और चावल के प्रकारों के साथ लगाए गए फसल क्षेत्र में उल्लेखनीय वृद्धि हुई थी। 1978-1979 तक, हरित क्रांति के कारण 131 मिलियन टन अनाज का रिकॉर्ड उत्पादन हुआ।

क्या भारत कभी विश्व की दूसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बन पाएगा?

प्रह्लाद सबनानी

प्रसिद्ध अर्थशास्त्री एवं इतिहासकार एंग्स मेडिसिन के अनुसार वर्ष 1820 तक भारत विश्व की सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था था, 1820 आते आते चीन भारत से आगे निकल गया था। 1820 से 1870 के बीच चीन एवं भारत विश्व की सबसे बड़ी अर्थव्यवस्थाओं में पूरे विश्व में सबसे आगे थे। वर्ष 1870 से 1900 के बीच ब्रिटेन विश्व की सबसे तेज गति से आगे बढ़ती अर्थव्यवस्था बन गया परंतु ब्रिटेन पर यह ताज अधिक समय तक नहीं टिक सका क्योंकि इसके तुरंत बाद अमेरिका विश्व में सबसे तेज गति से आगे बढ़ती अर्थव्यवस्था बन गया था। इसके बाद तो आर्थिक प्रगति के मामले में अमेरिका एवं यूरोपीयन देश लगातार आगे बढ़ते रहे, विकसित अर्थव्यवस्थाएं बने और एशिया के देशों (विशेष रूप से भारत एवं चीन) का वर्चस्व वैश्विक अर्थव्यवस्था में लगभग समाप्त सा हो गया था।

परंतु, अब एक बार पुनः समय चक्र बदल रहा है एवं अमेरिका एवं यूरोपीयन देशों की अर्थव्यस्थाएं आर्थिक विकास के मामले में ढलान पर दिखाई दे रही हैं एवं एशिया के देश, विशेष रूप से भारत एवं चीन, पुनः तेज गति से आर्थिक प्रगति करते हुए वैश्विक अर्थव्यवस्था में अपना दबदबा कायम करते नजर आ रहे हैं। आज अमेरिकी अर्थव्यस्था का आकार लगभग 25 लाख करोड़ अमेरिकी डॉलर का है और चीन की अर्थव्यवस्था का आकार लगभग 18 लाख करोड़ अमेरिकी डॉलर का है। ऐसी सम्भावना व्यक्त की जा रही है कि वर्ष 2035 से 2040 के बीच चीन विश्व की सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बन जाएगा एवं अमेरिका दूसरे नम्बर पर आ जाएगा और भारत तीसरे नम्बर पर आ जाएगा। परंतु, इसके बाद क्या भारत अमेरिकी अर्थव्यवस्था को पीछे छोड़ते हुए दूसरे नम्बर पर आ पाएगा। इस तरह की चर्चाएं आजकल आर्थिक जगत में होने लगी हैं। आज से लगभग 10 वर्ष पूर्व भारतीय अर्थव्यवस्था का विश्व में 11वां स्थान था जो आज 3.70 लाख करोड़ अमेरिकी डॉलर के सकल घरेलू उत्पाद के आकार के साथ विश्व में 5वें स्थान पर आ गई है। ऐसी सम्भावना व्यक्त की जा रही है कि वर्ष 2026 में भारतीय अर्थव्यवस्था जर्मनी अर्थव्यवस्था से आगे निकलकर विश्व में चौथे स्थान पर आ जाएगी। इसी प्रकार वर्ष 2027 में जापानी अर्थव्यवस्था को भी पीछे छोड़ते हुए भारतीय अर्थव्यवस्था विश्व में तीसरे स्थान पर आ जाएगी। गोल्ड्मन सच्स के अनुसार, अगले चार वर्षों के दौरान भारतीय अर्थव्यवस्था का आकार 5 लाख करोड़ अमेरिकी डॉलर से अधिक हो जाएगा। इसी प्रकार, ब्लूम्बर्ग के अनुसार, भारतीय अर्थव्यवस्था आगामी वर्षों में लगातार 6 प्रतिशत से अधिक की विकास दर हासिल करता रहेगा, और अमेरिका एवं चीन की आर्थिक विकास दर से आगे बना रहेगा। भारतीय अर्थव्यवस्था में आर्थिक विकास दर के तेज गति से आगे रहने के पीछे जो कारण बताए जा रहे हैं उनमें शामिल हैं - भारतीय जनसंख्या में वृद्धि होते रहना (अमेरिका एवं चीन में जनसंख्या वृद्धि दर लगातार कम हो रही है), इससे भारतीय घरेलू बाजार मजबूत बना रहेगा एवं उत्पादों की मांग भी भारत में तेज गति से आगे बढ़ती रहेगी। एक अनुमान के अनुसार, वर्ष 2050 तक भारत की आबादी बढ़ कर 170 करोड़ नागरिकों की हो जाएगी, इससे भारत अपने आप में विश्व का सबसे बड़ा बाजार बन जाएगा। वर्ष 2024 में भारत में उपभोक्ता विश्वास सूचकांक 98.5 प्रतिशत तक पहुंच गया है। दूसरे, भारत में आधारभूत ढांचे को विकसित करने के लिए भी केंद्र एवं राज्य सरकारों द्वारा अत्यधिक मात्रा में पूंजी निवेश किया जा रहा है। भारत में आधारभूत ढांचे को विकसित श्रेणी में लाने के लिए केवल रोड ही नहीं बल्कि रेलवे, एयरपोर्ट, ऊर्जा एवं जल व्यवस्था को विकसित करने के लिए भी भरपूर पूंजी निवेश किया जा रहा है। भारत में आज भी श्रमिक लागत तुलनात्मक रूप से बहुत कम है, इससे कई विदेशी कम्पनियां अब चीन के स्थान पर भारत में अपनी विनिर्माण इकाईयों को स्थापित कर रही हैं इससे भारत के औद्योगिक विकास को गति मिल रही है। भारत ने भी कई उद्योग क्षेत्रों के लिए उत्पादन आधारित प्रोत्साहन योजना लागू की है जिसका लाभ विश्व की कई बहुराष्ट्रीय कम्पनियां उठा रही हैं एवं अपनी औद्योगिक इकाईयां भारत में स्थापित कर रही हैं। तीसरे भारत में आज 140 करोड़ की जनसंख्या में से 100 करोड़ से अधिक नागरिक युवा एवं कार्य कर सकने वाले नागरिकों की श्रेणी में शामिल हैं। इतनी बड़ी मात्रा में श्रमिकों की उपलब्धि किसी भी अन्य देश में नहीं है। अन्य विकसित देशों, चीन सहित, में कार्य कर सकने वाले नागरिकों की संख्या लगातार कम हो रही है क्योंकि इन देशों में प्रौढ़ नागरिकों की संख्या लगातार बढ़ रही है। किसी भी देश में युवा जनसंख्या का अधिक होने से न केवल श्रमिक के रूप में इनकी उपलब्धि आसान बनी रहती है बल्कि इनके माध्यम से देश में उत्पादों की मांग में भी वृद्धि दर्ज होती है तथा युवा जनसंख्या की उत्पादकता भी अधिक होती है जिससे उत्पादन लागत कम हो सकती है। साथ ही, युवाओं द्वारा नवाचार भी अधिक मात्रा में किया जा सकता है। यह सब कारण हैं जो भारतीय अर्थव्यवस्था को पूरे विश्व में एक चमकता सितारा बनाने में सहायक हो रहे हैं। हाल ही के समय में वैश्विक स्तर पर आर्थिक क्षेत्र का परिदृश्य तेजी से बदला भी है। अभी तक वैश्विक अर्थव्यवस्था में विकसित देशों का दबदबा बना रहता आया है। परंतु, अब अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष के एक अनुमान के अनुसार वर्ष 2024 में भारत सहित एशियाई देशों के वैश्विक अर्थव्यवस्था में 60 प्रतिशत का योगदान होने की प्रबल सम्भावना बन रही है। एशियाई देशों में चीन एवं भारत मुख्य भूमिकाएं निभाते नजर आ रहे हैं। प्राचीन काल में वैश्विक अर्थव्यस्था में भारत का योगदान लगभग 32 प्रतिशत से भी अधिक रहता आया है। वर्ष 1947 में जब भारत ने राजनैतिक स्वतंत्रता प्राप्त की थी उस समय वैश्विक अर्थव्यस्था में भारत का योगदान लगभग 3 प्रतिशत तक नीचे पहुंच गया था क्योंकि भारतीय अर्थव्यवस्था को पहिले अरब से आए आक्राताओं एवं बाद में अंग्रेजों ने बहुत नुक्सान पहुंचाया था एवं भारत को जमकर लूटा था। वर्ष 1947 के बाद के लगभग 70 वर्षों में भी वैश्विक अर्थव्यवस्था में भारतीय अर्थव्यवस्था के योगदान में कुछ बहुत अधिक परिवर्तन नहीं आ पाया था। परंतु, पिछले 10 वर्षों के दौरान देश में लगातार मजबूत होते लोकतंत्र के चलते एवं आर्थिक क्षेत्र में लिए गए कई पारदर्शी निर्णयों के कारण भारतीय अर्थव्यवस्था को तो जैसे पंख लग गए हैं। आज भारत इस स्थिति में पहुंच गया है कि वैश्विक अर्थव्यवस्था में वर्ष 2024 में अपने योगदान को लगभग 18 प्रतिशत के आसपास एवं एशिया के अन्य देशों यथा चीन, जापान एवं अन्य देशों के साथ मिलकर वैश्विक अर्थव्यवस्था में एशियाई देशों के योगदान को 60 प्रतिशत तक ले जाने में सफल होता दिखाई दे रहा है। भारत आज अमेरिका, चीन, जर्मनी एवं जापान के बाद विश्व की 5वीं सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बन गया है। साथ ही, भारत आज पूरे विश्व में सबसे तेज गति से आगे बढ़ती अर्थव्यवस्था है। वित्तीय वर्ष 2023-24 में तो भारत की आर्थिक विकास दर 8.2 प्रतिशत की रही है और यह वित्तीय वर्ष 2023-24 की समस्त तिमाहियों में लगातार तेज गति से बढ़ती रही है। पहली तीन तिमाहियों में भारत की आर्थिक विकास दर 8 प्रतिशत से अधिक रही है, अक्टोबर-दिसम्बर 2023 को समाप्त तिमाही में तो आर्थिक विकास दर 8.4 प्रतिशत की रही है। इस विकास दर के साथ भारत के वर्ष 2025 तक जापान की अर्थव्यवस्था को पीछे छोड़ते हुए विश्व की चौथी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बन जाने की प्रबल सम्भावना बनती दिखाई दे रही है। केवल 10 वर्ष पूर्व ही भारत विश्व की 11वीं सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था था और वर्ष 2013 में मोर्गन स्टैनली द्वारा किए गए एक सर्वे के अनुसार भारत विश्व के उन 5 बड़े देशों (दक्षिण अफ्रीका, ब्राजील, इंडोनेशिया, टर्की एवं भारत) में शामिल था जिनकी अर्थव्यवस्थाएं नाजुक हालत में मानी जाती थीं। अब आगे आने वाले कालचक्र में वैश्विक स्तर पर आर्थिक क्षेत्र में परिस्थितियां लगातार भारत के पक्ष में होती दिखाई दे रही हैं, जिससे भारतीय अर्थव्यवस्था का वैश्विक अर्थव्यवस्था में योगदान लगातार बढ़ते जाने की प्रबल संभावनाएं बनती नजर आ रही हैं।

निरंतरता, अनुभव और उत्साह का संगम है केंद्रीय मंत्रिमंडल

प्रो. संजय द्विवेदी

केंद्र सरकार का नया मंत्रिमंडल निरंतरता की गवाही देता है। यह बात बताती है कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी को अपनी टीम पर भरोसा कायम है। प्रमुख विभागों में अपनी आजमाई जा चुकी टीम को मौका देकर मोदी ने बहुत गंभीर संदेश दिए हैं। मंत्रिमंडल में अनुभव, उत्साह और नवाचारी विचारों के वाहक नायकों को जगह मिली है। यह मंत्रिमंडल गहरी राजनीतिक सूझबूझ वाले नायकों से संयुक्त है। लंबे समय तक राज्य सरकारों को चलाने वाले 7 पूर्व मुख्यमंत्री इस सरकार में शामिल हैं। कैबिनेट में नरेंद्र मोदी सहित सात पूर्व मुख्यमंत्री शामिल हैं। जिनमें मोदी खुद गुजरात के मुख्यमंत्री रहे हैं। इसके अलावा राजनाथ सिंह (उप्र), शिवराज सिंह चौहान (मप्र), जीतनराम मांझी (बिहार), एचडी कुमारस्वामी (कर्नाटक), मनोहरलाल खट्टर(हरियाणा), सर्वानंद सोनोवाल (असम) मुख्यमंत्री रहे हैं। भारत सरकार के विदेश सचिव और पिछली सरकार में विदेश मंत्री रह चुके एस.जयशंकर अपने क्षेत्र के दिग्गज हैं। आईएएस अधिकारी रहे अश्विनी वैष्णव अटलबिहारी वाजपेयी सरकार में उनके सचिव रहे,विविध अनुभव संपन्न वैष्णव सरकार में नवाचारों के वाहक हैं। पिछली सरकार उनके प्रदर्शन की गवाही है। इसी क्रम में नौकरशाह रहे हरदीप सिंह पुरी सरकार की शक्ति हैं। नितिन गडकरी का महाराष्ट्र सरकार से लेकर अब केंद्र में 10 साल का कार्यकाल सबकी नजर में है। देश में हुई परिवहन और सड़क क्रांति के वे वाहक हैं। वे केंद्र में सबसे लंबे समय तक परिवहन मंत्री रहने का रिकार्ड बना चुके हैं। भाजपा के पास अनुभवी मंत्रियों की टीम सरकार के संकल्पों की वाहक बनेगी, इसमें दो राय नहीं। धर्मेंद्र प्रधान, पीयूष गोयल, प्रहलाद जोशी, किरण रिजिजू, भूपेंद्र यादव, जोएल ओराम, गजेंद्र सिंह शेखावत, डा. वीरेंद्र कुमार, ज्योतिरादित्य सिंधिया अपने विभिन्न क्षेत्रों में प्रभावी हस्ताक्षर बन चुके हैं। सरकार के विभिन्न मंत्रालयों के प्रभावी संचालन का रिकार्ड इनके नाम है। केंद्रीय मंत्रिमंडल में राजनाथ सिंह और अमित शाह इस सरकार के संकटमोचक हैं। राजनाथ सिंह के साथ जहां सहयोगी दलों का शानदार संवाद है, वहीं अमित शाह अपने कुशल राजनीतिक प्रबंधन के लिए जाने जाते हैं। इस सरकार में सहयोगी दलों के 11 मंत्री हैं। जबकि 2014 में 5 और 2019 में सहयोगी दलों के 4 मंत्री शामिल थे। यह संख्या अभी और बढ़ सकती है। ऐसे में सरकार में कुशल प्रबंधन की जरूरत हमेशा बनी रहेगी। आने वाले समय में महाराष्ट्र, हरियाणा और झारखंड के चुनाव भी होने हैं। यही इस सरकार का पहला सार्वजनिक टेस्ट भी है। मंत्रिमंडल में प्रतिबद्धता, निरंतरता और वरिष्ठता का ख्याल रखते हुए भी युवाओं को खास मौके दिए गए हैं। इसके साथ ही यह अखिल भारतीय चरित्र की सरकार भी है, केरल, तमिलनाडु से लेकर जम्मू कश्मीर तक का प्रतिनिधित्व इस सरकार में है। पांच अल्पसंख्यक समुदायों से भी सरकार में मंत्री बने हैं। साथ ही सामाजिक समरसता की दृष्टि से यह समावेशी सरकार कही जा सकती है। अभी तक की स्थितियों को देखते हुए यह कहा जा सकता है कि सुशासन को लेकर सरकार पर कोई दबाव नहीं है। लेकिन समान नागरिक संहिता, मुस्लिम आरक्षण, जातीय जनगणना, राज्यों को विशेष दर्जा जैसे मुद्दे मतभेद का कारण जरूर बनेंगे। प्रधानमंत्री के कद और उनकी छवि जरूर इन साधारण प्रश्नों से बड़ी है। सरकार के प्रबंधक इन मुद्दों से कैसे जूझते हैं,यह बड़ा सवाल है। सहयोगी दलों के साथ संतुलन और उनकी महत्ता बनाए रखते हुए चलना सरकार की जरूरत हमेशा बनी रहेगी। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने जिस तरह अपने अभिभावकत्व और नेतृत्व से एनडीए को संभालते हुए काम प्रारंभ किया है। वे आसानी से साधारण विवादों का हल भी निकाल ही लेंगे।

जब चुनाव सर्वेक्षण गलत साबित हो जाए

भारत के आम चुनाव में कई हफ्तों के गहन प्रचार के बाद मतदान 1 जून को समाप्त हो गया। इसके तुरंत बाद मीडिया कई सर्वेक्षणकर्त्ताओं के परिणामों का विश्लेषण करने के लिए दौड़ पड़ा। सभी सर्वेक्षणों ने सत्तारूढ़ भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) की बड़ी जीत और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के तीसरे कार्यकाल का संकेत दिया। सर्वेक्षणों के अनुसार, साजिश यह थी कि भाजपा की जीत कितनी महत्वपूर्ण होगी, 543 सीटों वाली संसद में 281 से 401 सीटों तक की भविष्यवाणी की गई थी। यह विस्तृत श्रृंखला दर्शाती है कि हमारे जैसे बड़े और विविधतापूर्ण देश में सीटों की संख्या का अनुमान लगाना कितना मुश्किल है। इसके अलावा, सीटों की संख्या पर ध्यान अक्सर मतदाता के व्यवहार और भविष्यवाणियों के पीछे के कारणों की गहरी अंतर्दृष्टि पर हावी हो जाता है। 2024 दुनिया भर में एक महत्वपूर्ण चुनावी वर्ष होने के कारण चुनावों को गहन जांच का सामना करना पड़ता है। ऐसे युग में जहां डाटा सार्वजनिक भावना को मापने और चुनावी परिणामों की भविष्यवाणी करने के लिए महत्वपूर्ण है। यहां तक कि सबसे परिष्कृत एल्गोरिदम और पद्धतियां भी कभी-कभी अप्रत्याशित गलत अनुमान लगा सकती हैं जो विश्लेषकों और जनता को समान रूप से चकित कर देती हैं। उदाहरण के लिए 2016 और 2020 में अमरीकी चुनाव और 2016 के ब्रैग्जिट जनमत संग्रह ने चुनावों की विश्वसनीयता और प्रभाव के बारे में संदेह पैदा कर दिया है। आइए हम हाल के इतिहास के कुछ उल्लेखनीय सर्वेक्षणों पर नजर डालें जहां सर्वेक्षणकर्त्ताओं ने इसे गलत पाया और इन चूकों के पीछे के कारण बताए।

ट्रेलर ने मारी टक्कर, युवक का सिर-धड़ से अलग

कटकर 20 फीट दूर गिरा, बलौदाबाजार-मस्तूरी रोड पर करीब 1 घंटे तक चक्काजाम

मीडिया ऑडीटर, बिलासपुर एजेंसी। छत्तीसगढ़ के बिलासपुर में तेज रफ्तार ट्रेलर की टक्कर से बाइक सवार युवक की मौत हो गई। हादसा इतना भीषण था कि एक युवक का सिर धड़ से अलग होकर 20 फीट दूर जा गिरा। वहीं, दूसरा युवक गंभीर रूप से घायल है। उसे अस्पताल में भर्ती कराया गया है। घटना मस्तूरी थाना के मल्हार चौकी क्षेत्र की है। गुस्साए लोगों ने बलौदाबाजार-मस्तूरी रोड पर करीब 1 घंटे तक चक्काजाम कर दिया।

जानकारी के अनुसार जांजगीर-चांपा जिले के मुलमुला क्षेत्र के ग्राम नरियरा का रहने वाला संजू धीरही (26) और दोस्त राजा सुमन (27) दोनों मामा ससुर के दशगात्र में शामिल होने के लिए ग्राम नेवारी आए थे। इसी बीच सोमवार दोपहर को दोनों किसी काम से निकले थे, कुछ देर बाद नेवारी लौटते वक्त जोंधरा तरफ से आ रहे ट्रेलर ने बाइक को टक्कर मार दी।

धड़ से अलग होकर 20 फीट दूर जा गिरा सिर: इस हादसे में संजू का सिर कटकर धड़ से अलग हो गया और 20 फीट दूर जा गिरा, जिससे उसकी मौके पर ही मौत हो गई। वहीं राजा सुमन भी बाइक से गिर कर दूर जा गिरा और गंभीर रूप से घायल हो गया। इस घटना के बाद आसपास के लोगों की भीड़ जुट गई। उन्होंने मस्तूरी स्थित अस्पताल पहुंचाया, जहां से उसे बिलासपुर रेफर कर दिया गया।

ट्रेलर लेकर फरार हो गया ड्राइवर: हादसे के बाद आरोपी ड्राइवर ट्रेलर लेकर फरार हो गया। वहीं, हादसे की जानकारी मिलते ही पुलिस भी मौके पर पहुंच गई। इस दौरान गुस्साए लोगों ने चक्काजाम कर दिया। आक्रोशित भीड़ आरोपी चालक को गिरफ्तार करने और मृतक के परिजन को मुआवजा देने की मांग कर रहे थे।

पुलिस उन्हें समझाइश देकर शांत कराने की कोशिश की। चक्काजाम के चलते सड़क पर वाहनों की कतार लग गई। काफी समझाइश के बाद भीड़ शांत हुई और करीब एक घंटे बाद मामला शांत हुआ। पुलिस इस मामले में जुर्म दर्ज कर आरोपी चालक की तलाश कर रही है।

युवक के सिर पर कुकर से हमला

मायके गई पत्नी को घर लाने के बाद हुआ बवाल, घरवालों ने कहा-अकेले रहो, महिला से भी मारपीट

मीडिया ऑडीटर, रायपुर एजेंसी। राजधानी रायपुर में एक युवक के सिर पर कुकर से हमला हो गया है। युवक अपनी मायके गई पत्नी को जब वापस घर लाया। तो घर वालों ने इसका विरोध किया। उन्होंने इसे वापस क्यों लाए हो कहते हुए दोनों के साथ गाली-गलौज करते हुए जमकर मारपीट कर दी। इस मामले में आजाद चौक थाना पुलिस ने एफआईआर दर्ज कर लिया है।

पीड़ित भीमा वासुदेव ने पुलिस को बताया कि 10 जून की शाम साढ़े 4 बजे वह अपनी पत्नी और बच्चे के साथ घर पहुंचा। उसकी पत्नी बीते 1 महीने से अपने मायके में रह रही थी। घर वालों ने जब उसे वापस घर पर देखा तो वे नाराज हो गए।

उन्होंने अश्लील गाली-गलौज शुरू कर दिया। उसके बाद एक आरोपी ने कुकर उठाकर वासुदेव के सिर पर दे मारा। जिससे वह बुरी तरह लहूलुहान हो गया।

महिला से भी मारपीट: आरोपी के मुताबिक, इस मामले में आरोपी दुखित वासुदेव, पप्पू वासुदेव और गोलू वासुदेव है। इन आरोपियों ने महिला के साथ भी मारपीट की है। इस झड़प में उसे भी चेहरे में चोट आई है। इस मामले में आजाद चौक थाना पुलिस ने एफआईआर दर्ज कर आगे की कार्यवाई कर रही है।

नाबालिग बच्ची के साथ दुष्कर्म करने वाला आरोपी चढ़ा पुलिस के हत्थे

चिरमिरी पुलिस ने कार्यवाही कर आरोपी को भेजा गया जेल

मीडिया ऑडीटर, चिरमिरी निप्र। चिरमिरी शहर से इंसानियत को शर्मसार करने वाली घटना देखने को मिली है जहां 10 जून दिन सोमवार की शाम चिरमिरी के गेल्हापानी क्षेत्र में एक व्यक्ति द्वारा नाबालिग बच्ची के साथ दुष्कर्म करने का प्रयास किया गया, बताया जा रहा है कि लगभग तीन साल की मासूम बच्ची के साथ आरोपी ने दुष्कर्म करने की कोशिश को अंजाम दिया और मिली जानकारी के अनुसार उक्त आरोपी नशे का भी आदी बताया जा रहा है, जब बच्ची की दादी (शिकायतकर्ता) बाजार गई हुई थी तब बाजार से लौटने के बाद महिला ने अपनी नातिन को घर में नहीं देखा जिसके बाद पीड़िता की दादी ने उसे आस पास ढूंढने लग गई, जिस दौरान शिकायतकर्ता को अपने नातिन की आवाज उसके घर के पास में रहने वाले इन्द्रपाल के बकरी के बाड़ी से आई, जिसके बाद शिकायतकर्ता ने बताया कि आरोपी बच्ची के साथ दुष्कर्म करने का प्रयास कर रहा था?, जिसकी शिकायत थाना चिरमिरी अन्तर्गत पुलिस चौकी कोरिया में करने के पश्चात पुलिस प्रशासन ने त्वरित कार्यवाही करते हुए आदतन अपराधी आरोपी चन्द्र प्रसाद उर्फचिंटा को गिरफ्तार कर न्यायिक रिमांड में भेजा गया। आरोपी पर धारा 363, 366, 376(ए) बी 6 पॉक्सो एक्ट के तहत कार्यवाही की गई है।

बस्तर में 2 भाइयों को कुल्हाड़ी से काट डाला

जमीन विवाद को लेकर दो परिवारों में विवाद, गांव में तनाव का माहौल, एक गिरफ्तार

मीडिया ऑडीटर, जगदलपुर निप्र। छत्तीसगढ़ के बस्तर जिले में जमीन विवाद के चलते 2 परिवार में खूनी संघर्ष हुआ है। एक परिवार के लोगों ने दूसरे परिवार के 2 सगे भाइयों को कुल्हाड़ी से काट डाला। जिससे मौके पर ही दोनों की मौत हो गई है। पुलिस ने एक आरोपी को गिरफ्तार कर लिया है। मामला सिटी कोतवाली थाना क्षेत्र के इरिकपाल का है।

जानकारी के अनुसार इरिकपाल गांव के रहने वाले युवक योगेश के परिवार का गांव के ही दूसरे परिवार के साथ पिछले कई सालों से जमीन को लेकर विवाद चल रहा था। दोनों परिवारों के बीच आए दिन मारपीट लड़ाई-झगड़ा हुआ करता था। मंगलवार 11 जून को भी दोनों पक्षों के बीच फिर से विवाद हो गया।

परिवार पर किया हमला: दूसरे पक्ष के लोग योगेश के घर पहुंच गए। विवाद इतना बढ़ा कि घर वालों पर हमला कर दिया गया। योगेश और उसके भाई पर कुल्हाड़ी से ताबड़तोड़ वार कर दिया। जिससे मौके पर ही दोनों की मौत हो गई। अब इस घटना के बाद पूरे गांव में तनाव का माहौल बन गया है। इस मामले की जानकारी लगते ही एसपी शलभ सिन्हा समेत पुलिस की टीम घटना स्थल पहुंची।

एक आरोपी गिरफ्तार: वारदात के बाद गांव में और बवाल न हो, इसलिए जवानों को तैनात कर दिया गया है। बस्तर एसपी शलभ सिंह ने बातचीत में बताया कि, जमीन विवाद को लेकर दोनों परिवारों के बीच बवाल हुआ है। दो लोगों की हत्या हुई है। एक आरोपी को गिरफ्तार कर लिया गया है। बाकी 5 से 6 लोगों की पहचान कर ली गई है। जल्द ही उन्हें भी पकड़ा जाएगा। मामले की जांच जारी है।

अवैध कब्जाधारियों के खिलाफ जिला प्रशासन सख्त

मीडिया ऑडीटर, एमसीबी निप्र। नवगठित जिला मनेंद्रगढ़-चिरमिरी-भरतपुर में शासकीय कर्मचारियों के निवास हेतु आवास निर्माण का प्रस्ताव शासन स्तर पर प्रक्रियाधीन है। जिसके क्रियान्वयन में कुछ साल लगने की संभावना है। वित्तीय वर्ष 2024-25 में एमसीबी जिले में निम्न संस्थाओं का अस्थाई रूप से प्रारंभ होने की संभावना है। मनेंद्रगढ़ में मेडिकल कॉलेज अस्थाई कार्यालय, कलेक्टर कार्यालय में जिला स्तर एवं ब्लॉक स्तर में विभिन्न विभागों के अधिकारियों की नियुक्ति प्रक्रियाधीन है। चिरमिरी जिला चिकित्सालय, हॉर्टिकल्चर कॉलेज, पॉलिटेक्निक कॉलेज उक्त सभी कार्यालयों में जिन अधिकारियों एवं कर्मचारियों की पदस्थापना होगी, उनके लिए निवास सुविधा उपलब्ध कराना आवश्यकता है। आज दिनांक की स्थिति में नवगठित जिला प्रशासन के 50 प्रतिशत से अधिक अधिकारी, कर्मचारी निजी आवास में किराये पर निवासरत है। इस क्रम में जिला प्रशासन एवं एसईसीएल हसदेव एवं चिरमिरी के संयुक्त प्रयास से ऐसे एसईसीएल आवासों का चिन्हाकंन किया गया है जिनमें मनेंद्रगढ़, खोंगापानी एवं चिरमिरी शामिल है, जहां पर अवैध रूप से आवासों में अतिक्रमण किया गया है। उन आवासों का अतिक्रमण मुक्त करने की कार्यवाही चरणबद्ध तरीके से की जायेगी। पहले चरण में ऐसे आवास का चिन्हाकंन किया जायेगा जो निम्नलिखित प्रकार के हैं:- एक से अधिक आवास एक ही व्यक्ति के नाम से है। जिनको आंबटन किया गया पर उनके द्वारा किसी और को अनाधिकृत ढंग से किराया दिया गया है। जिनका मूल निवास मनेंद्रगढ़, खोंगापानी तथा चिरमिरी में है। जिनका स्थानांतरण हुआ है पर आवास खाली नहीं किया है तथा जो निवास क्वार्टर को कमर्शियल उपयोग कर रहे है। जिला प्रशासन की मंशा को संज्ञान में लेते हुए सभी जनप्रतिनिधियों एवं आमजनों से अपील है कि इस कार्यवाही में प्रशासन का साथ दें।

सड़क हादसे में 3 दोस्तों की मौत

रोड किनारे जंगल में मिली लाश, पेड़ से टकराकर बाइक सवारों की जान जाने की आशंका

मीडिया ऑडीटर, रायगढ़ निप्र। छत्तीसगढ़ के रायगढ़ जिले में बाइक सवार 3 दोस्तों की सड़क हादसे में मौत हो गई। बताया जा रहा है कि तेज रफ्तार में होने के कारण बाइक अनियंत्रित होकर सड़क से बाहर हो गई। तीनों युवकों की गिरने से मौके पर ही जान चली गई। रोड किनारे जंगल में तीनों की लाश मिली है। घटना चक्रधर नगर थाना क्षेत्र की है। मिली जानकारी के मुताबिक तीनों युवक 20 से 25 साल के हैं। बीती रात ओडिशा के कनकतुरा से महपल्ली लौट रहे थे। इसी बीच देर रात बाइक सवार सकरभोगा रोड पर अनियंत्रित होकर सड़क किनारे पेड़ से टकरा गिर गए। सुबह इसकी जानकारी ग्रामीणों को लगी तो चक्रधर नगर पुलिस को सूचना दी गई।

सारंगढ़ और लैलूंगा के रहने वाले थे युवक: बताया जा रहा है कि इसमें 2 युवक सारंगढ़ और एक लैलूंगा का रहने वाला था। इनके नाम उमेश, संजय पटेल और टिकेंद्र है। पुलिस से मिली जानकारी के मुताबिक युवक महापल्ली स्थित इंड सेनर्जी लिमिटेड फैक्ट्री के कैंटीन कर्मचारी थे।

सुबह एंबुलेंस से शव लेकर पहुंची पुलिस: चक्रधर नगर थाना में पदस्थ एसआई जीएल साहू ने बताया कि रात की घटना है। अनियंत्रित होकर बाइक पेड़ से टकराई होगी। सुबह मामले की जानकारी मिलने के बाद एंबुलेंस से तीनों शव को जिला अस्पताल लाया गया है। जहां पोस्टमॉर्टम के लिए मर्च्यूरी रूम में रखा गया है। पुलिस मामले की जांच कर रही है।

2 दिन पहले लैलूंगा क्षेत्र में 3 की मौत: रायगढ़ में सड़क हादसे थमने का नाम नहीं ले रहे हैं। रविवार को भी एक सड़क हादसा लैलूंगा थाना क्षेत्र में हुआ था, जिसमें तीन युवकों की मौत हुई थी। 2 दिनों के भीतर यह दूसरी घटना है, जिसमें अब तक 6 लोगों की जान चली गई।

नये संशोधित आपराधिक कानून के क्रियांवयन के लिए एमसीबी पुलिस तैयार

मीडिया ऑडीटर, एमसीबी निप्र। 01 जुलाई 2024 से तीन नये संशोधित आपराधिक कानून के क्रियान्वयन के सम्बंध में 06 जून 2024 को पुलिस मुख्यालय नया रायपुर में प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया गया था। जिसमें जिला मनेन्द्रगढ़-चिरमिरी-भरतपुर से आरक्षक अनिल जांगड़े, आरक्षक लिंगराज मण्डल एवं आरक्षक रवि सिंह शामिल हुये। जिनके द्वारा जिला मनेन्द्रगढ़-चिरमिरी-भरतपुर के सीसीटीएनएस आपरेटरों का 10 जून 2024 को अशोक वाडेगांवकर अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक मनेन्द्रगढ़-चिरमिरी-भरतपुर के अध्यक्षता में प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया गया। प्रशिक्षण कार्यक्रम में पुलिस मुख्यालय से प्रशिक्षित मास्टर ट्रेनर द्वारा थाना के सीसीटीएनएस आपरेटर को भारतीय न्याय संहिता (बी.एन.एस) 2023, भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता (बीएनएसएस) 2023 एवं भारतीय साक्ष्य अधिनियम 2023 को सीसीटीएनएस सीएएस सॉफ्टवेयर में क्रियान्वयन के सम्बंध में जानकारी दी गई। साथ ही एनसीआरबी संकलन मोबाईल एप एवं का उपयोग करके नवीन संशोधित कानूनों के बारे में जानकारी लिया जा सकता है।

तीन नये संशोधित आपराधिक कानून के प्रशिक्षण में आरक्षक अनिल जांगड़े, लिंगराज मण्डल थाना पोड़ी, आरक्षक रवि सिंह, थाना जनकपुर, आरक्षक बाबूलाल सायतोड़े, थाना झगराखाण्ड, आरक्षक मनोज लकड़ा, थाना कोटाडोल, आरक्षक विनोद टोप्पो, थाना मनेन्द्रगढ़, आरक्षक अभय रजक, थाना मनेन्द्रगढ, आरक्षक गणेश सिंह, थाना खड़गवां, आरक्षक रूबेन लकड़ा, थाना चिरमिरी उपस्थित रहे।

महिला के गले से सोने की चेन छीनी

मीडिया ऑडीटर, रायपुर निप्र। रायपुर में एक महिला के गले से सोने की चेन की लूट हो गई। लूटेरा चेहरे पर कपड़ा बांधकर महिला के पास आया। कुछ दूरी तक महिला के आगे चला फिर पलट कर चेन में झपट्टा मारकर भाग गया।मामला डीडी नगर थाना क्षेत्र का है। पीड़ित महिला ने पुलिस को बताया कि, घटना सोमवार रात 9 बजे की है। डीडी नगर स्थित शिव विहार कॉलोनी में महिला का घर है। वो अपने घर के पास स्थित एक राशन दुकान पर सामान खरीदने जा रही थी। तभी एक युवक उसके पीछे पैदल चलकर आया। उसने चेहरे में स्कार्फबांधा हुआ था। कुछ दूर आगे चलने के बाद युवक वापस पलटकर महिला के करीब आ गया।

सोने की चेन लूटकर फरार: उसने महिला के गले की चेन में झपट्टा मारकर लूट लिया। फिर तेजी से दौड़ते हुए मौके से फरार हो गया। महिला चिल्लाते ही रह गई। इस मामले में महिला ने डीडी नगर थाने में एफआईआर दर्ज कराई है। फिलहाल पुलिस आसपास मौजूद सीसीटीवी कैमरों की मदद से चोर की तलाश में जुट गई है।

240 सीटों के शासकीय पॉलीटेक्निक कॉलेज को मंजूरी

मीडिया ऑडीटर, एमसीबी निप्र। आल इंडिया काउंसिल फार टेक्निकल एजुकेशन ने मनेंद्रगढ़ चिरमिरी भरतपुर जिले में 240 सीटों के शासकीय पॉलिटेक्निक कॉलेज की स्थापना को मंजूरी दी है। यह पॉलिटेक्निक कॉलेज शैक्षणिक सत्र 2024-25 से संचालित होगा और इसकी स्थापना चित्ताझोर पोड़ी चिरमिरी में होगी।

नवीन शासकीय पालिटेक्निक कालेज में सिविल इंजीनियरिंग में डिप्लोमा के लिए 60 सीट, जिओग्राफिक इंफार्मेशन सिस्टम (जीआईएस) एवं ग्लोबल पोजिशनिंग सिस्टम (जीपीएस) में डिप्लोमा के लिए 60 सीट, मेकेनिकल इंजीनियरिंग में डिप्लोमा के लिए 60 सीट तथा माइनिंग इंजीनियरिंग में डिप्लोमा के लिए 60 सीटों का प्रावधान है। ये पालिटेक्निक कालेज छत्तीसगढ़ के स्वामी विवेकानंद टेक्निकल यूनिवर्सिटी, भिलाई से संबद्ध होगा। स्थानीय विधायक और स्वास्थ्य मंत्री श्याम बिहारी जायसवाल के प्रयासों तथा तकनीकी शिक्षा एवं रोजगार विज्ञान और प्रौद्योगिकी मंत्री विजय शर्मा ने जिलेवासियों को शासकीय पालिटेक्निक कालेज की स्थापना की सौगात दी है। पॉलिटेक्निक कालेज को लेकर क्षेत्र में हर्ष का माहौल है।

आयुष्मान कार्ड पंजीयन की गति में तेजी लाने के लिए मासिक समीक्षा बैठक

मीडिया ऑडीटर, एमसीबी निप्र। सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र मनेन्द्रगढ़ में आयुष्मान कार्ड पंजीयन की प्रगति को तेज करने के लिए मासिक समीक्षा बैठक सभा कक्ष में आयोजित की गई। इस बैठक में बीएमओ जिला टीकाकरण अधिकारी, डॉ. एस. एस. सिंह, दीपक चौधरी जिला परियोजना समन्वयक, दिनेश गुप्ता बीईई, संतोष पोर्ते, वरुण मिश्रा जिला कोल्ड चेन मैनेजर समस्त सुपरवाइजर, सी.एच.ओ., आर.एच.ओ. (एमध्एफ), और विकासखण्ड के 20 एएनएम ने भाग लिया।

जिला प्रशासन ने 30 जून 2024 तक शत-प्रतिशत आयुष्मान कार्ड पंजीयन का लक्ष्य निर्धारित किया है, जिसके लिए बैठक का आयोजन अत्यंत महत्वपूर्ण था। राज्य स्तर से भी लगातार पंजीयन की प्रगति के बारे में जानकारी प्रस्तुत करने के निर्देश प्राप्त हुये है। इस बैठक में पंजीयन प्रक्रिया को गति देने के लिए विभिन्न उपायों पर चर्चा की गई। बैठक में उपस्थित सभी सदस्यों ने अपने-अपने क्षेत्रों में पंजीयन की स्थिति पर प्रकाश डाला और आगे की रणनीति पर विचार-विमर्श किया। इस दौरान, आयुष्मान कार्ड के महत्व और इसके लाभों पर भी जोर दिया गया।

बैठक में सर्व सहमति से निर्णय लिया गया कि जल्द से जल्द जिले को शत-प्रतिशत आयुष्मान पंजीयन युक्त किया जायेगा। जिला प्रशासन ने यह स्पष्ट किया कि आयुष्मान कार्ड पंजीयन की प्रक्रिया को तेज करना उनकी प्राथमिकता है और इसे समयबद्ध तरीके से पूरा किया जाना चाहिए।

छत्तीसगढ़ के 2 मंदिरों पर चोरी की वारदात

गेट का ताला तोड़ माता का मुकुट और कैश चोरी, शीतला-दुर्गा मंदिर में शातिरों ने बोला धावा

दुर्ग एजेंसी। छत्तीसगढ़ के दुर्ग जिले में शीतला और दुर्गा मंदिर में अज्ञात चोरों ने चोरी की घटना को अंजाम दिया है। शातिर चोरों ने मंदिर की दान पेटी का ताला तोड़कर कैश पार कर दिया। वारदात के बाद ग्रामीणों में गुस्से का माहौल है। पूरा मामला पाटन थाना क्षेत्र के सेमरी गांव का है।

पाटन पुलिस की पूछताछ में शिकायकर्ता बिरेंद्र ठाकुर ने बताया कि सेमरी गांव में तालाब किनारे स्थित शीतला मंदिर और दुर्गा मंदिर में चोरी की है। मंदिर की देखरेख और पूजा पाठ उसके पिता बुधारू राम ठाकुर करते हैं।

ताला लोड़कर वारदात को दिया अंजाम: उन्होंने बताया कि 9 जून को सुबह और शाम रोज की तरह उन्होंने मंदिर में पूजा पाठ किया था। इसके बाद रात 8 बजे शीतला मंदिर के अंदर बाहर गेट में ताला लगाया। दुर्गा मंदिर के सामने गेट में ताला लगाकर रात में अपने घर चला गया।

दुर्गा मंदिर चांदी का छत्र गायब: दूसरे दिन 10 जून को सुबह 4.30 बजे मंदिर पहुंचे तो देखा कि दुर्गा मंदिर के गेट का ताला टूटा हुआ था। दुर्गा मंदिर में मूर्ति के ऊपर चांदी का छत्र नहीं था। तब शीतला मंदिर में जाकर देखा सामने गेट का ताला टूटा हुआ लटका था।

मंदिर में शीतला माता की तीन मूर्तियां हैं, जिसमें से बांए तरफ के शीतला मां के चांदी का मुकुट नहीं था। बीच और दाएं तरफ शीतला मां के सिर में लगा मुकुट नीचे गिरा हुआ था। लोहे की दान पेटी मंदिर के सामने गेट किनारे में ताला लगा कर रखा हुआ था, लेकिन चोरों ने ताला तोड़कर चोरी की।

ये सामान हुआ चोरी: पुजारी के मुताबिक मंदिर से चांदी का मुकुट 1 नग कीमती 10,000 रुपए, चांदी का छत्र 1 नग कीमती 12,000 रुपए, सोने का लॉकेट कीमती 3000 रुपए को चुराकर ले गए हैं। इसके साथ चोर दानपेटी को उठाकर तालाब के मेड़ के पास आम बगीचे की ओर ले गए। उसका ताला तोड़कर 2 से 3 हजार रुपए चोरी कर ले गए।

मंदिर से कुल 40 हजार रुपए की चोरी: इसी तरह दुर्गा मंदिर का छत्र कीमती 13,000 रुपए सहित कुल 40 हजार रुपए की चोरी की गई है। ग्रामीणों ने पाटन थाने में जाकर पुलिस कहा है कि चोरों का जल्द पता लगाकर कार्रवाई की जाए।

इंडोनेशिया में एक कॉमेडियन को ईशनिंदा पर 7 माह की जेल

इंडोनेशिया (एजेंसी)। दुनिया के सबसे बड़े मुस्लिम देश इंडोनेशिया में एक कॉमेडियन को ईशनिंदा के मामले में 7 महीने जेल की सजा सुनाई गई है. एक क्षेत्रीय जज ने मंगलवार को औलिया रहमान नाम के कॉमेडियन को ईशनिंदा के मामले में दोषी पाते हुए जेल की सजा सुनाई है. औलिया ने अपने एक कार्यक्रम में पैगम्बर मोहम्मद शब्द का मजाक उड़ाया था. अब इस मुस्लिम देश में लैम्पुंग प्रान्त के रहने वाले औलिया को सात महीने जेल की सजा सुनाई गई.

लैम्पुंग प्रोसिक्यूटर ऑफिस के प्रवक्ता रिकी रामधन ने बताया कि कॉमेडियन औलिया रहमान ने सुमात्रा द्वीप पर दिसंबर महीने में एक स्टैंडअप कॉमेडी शो में भाग लिया था. एक कैफे में आयोजित हुए कार्यक्रम में औलिया ने मोहम्मद शब्द का मजाक बनाया था.

औलिया ने मांगी माफी तो एक महीने सजा हुई कम:मोहम्मद नाम पर इस कमेंट के लिए औलिया को चुटकुलों के नाम पर नफरत फैलाने का दोषी पाया गया. इस कार्यक्रम के बाद औलिया पर मुकदमा दर्ज हुआ था और जेल में डाल दिया गया था. वकीलों ने इस अपराध के लिए 8 महीने की सजा की मांग की थी, लेकिन अपराध के लिए माफी मांगने पर एक महीने की सजा कम कर दी गई. जिन धाराओं में औलिया पर केस दर्ज हुए हैं, इसमें अंधिकतम पांच साल तक की सजा का प्रावधान है. ये कानून इंडोनेशिया के छह आधिकारिक धर्मो के खिलाफ किसी भी तरह की बयानबाजी से रोकते हैं.

ईशनिंदा का इस तरह का पहला मामला: इंडोनेशिया में ईशनिंद के आरोप में पहली बार किसी कॉमेडियन को सजा हुई है. इस पहले ईशनिंदा के मामले में कई गिरफ्तारियां हो चुकी हैं, लेकिन कोई कॉमेडियन इस कानून की जद में नहीं आया था. इंडोनेशिया की राजधानी जकार्ता के पूर्व गवर्नर बासुकी तजहाजा पुरनामा भी इस कानून की जद में आ चुके हैं, जिनको 2 साल जेल की सजा हुई थी. इंडोनेशिया में इस कानून का दुरुपयोग अल्पसंख्यकों को निशाना बनाने के लिए भी खूब किया जाता है.

कनाडा में इंदिरा गांधी की हत्या का महिमामंडन

निकाली गई झांकी, विवाद शुरू

खालिस्तानी आतंकी हरदीप सिंह निज्जर की हत्या के बाद भारत और कनाडा में तनातनी है. इसके बाद भी कनाडा बाज नहीं आ रहा है. अब कनाडा में पूर्व भारतीय प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी की हत्या का महिमामंडन किया गया है. ब्रैम्पटन शहर में एक झांकी निकाली गई, जिसमें इंदिरा गांधी के पुतले को सिख अंगरक्षक गोली मारते दिखाए जा रहे हैं.कनाड़ा की इस घटना की दुनियाभर में चर्चा हो रही है. भारत ने भी इस पर आपत्ति जताई है. इस तस्वीर के कई वीडियो भी सोशल मीडिया पर वायरल हो रहे हैं. भारत में कनाडा के उच्चायुक्त कैमरन मैके ने भी इस घटना की निंदा की है. उन्होंने कहा कि मैं ऐसी खबरों की रिपोर्टों से स्तब्ध हूं, जिसमें इंदिरा गांधी की हत्या का जश्न मनाया गया. कैमरन ने कहा कि इसको लेकर सरकार को जानकारी दी गई है.

भारत के विदेश मंत्री एस जयशंकर ने नाराजगी जाहिर की. उन्होंने कि मुझे लगता है कि अलगाववादियों, चरमपंथियों, हिंसा की वकालत करने वाले लोगों को जो जगह दी गई है, उसमें एक बड़ा मुद्दा अंतर्निहित है. मुझे लगता है कि यह न कनाडा के लिए अच्छा है और न उसके भारत से उसके रिश्तों के लिए अच्छा है.

ऑपरेशन ब्लू स्टार की मना रहे थे वर्षगांठ:दरअसल, ऑपरेशन ब्लू स्टार की 40वीं वर्षगांठ को लेकर कनाडा के ब्रैम्पटन शहर में यह परेड निकाली गई थी. इसमें इंदिरा गांधी का पुतला दिखाया गया था, जिस पर सिख अंगरक्षक गोली चला रहे थे. इस प्रदर्शन में पिछले साल मारे गए हरदीप सिंह निज्जर की तस्वीरें भी पेश की गई थीं. अब इस मसले को कनाडा में भारत के उच्चायुक्त संजय कुमार वर्मा ने भी उठाया है. उन्होंने औपचारिक रूप से कनाडा के विदेश मंत्रालय के सामने इस मुद्दे को रखा है. वर्मा ने कहा कि कनाडा में रहने वाले भारतीय इस तरह की नफरत के प्रचार से भयभीत होते हैं. दुर्भाग्य से कनाडा में ऐसा बार-बार हुआ है. इस पर रोक लगाई जानी चाहिए.

पीएम मोदी ने दिया था करारा जवाब:वहीं, पीएम पद की शपथ लेने के बाद नरेंद्र मोदी को कनाडा के पीएम जस्टिन ट्रूडो ने बधाई दी थी. इसमें लिखा कि %भारतीय प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को उनकी चुनावी जीत पर बधाई. कनाडा मानवाधिकारों, विविधता और कानूनों के शासन पर आधारित संबंधों को आगे बढ़ाने के लिए उनकी सरकार के साथ काम करने के लिए तैयार है.पीएम नरेंद्र मोदी ने भी जस्टिन ट्रूडो को उसी भाषा में जवाब दिया. मोदी ने लिखा कि %बधाई संदेश के लिए धन्यवाद. भारत आपसी समझ और एक दूसरे की चिंताओं के प्रति सम्मान के आधार पर कनाडा के साथ काम करने को उत्सुक है. प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने एक दूसरे की चिंताओं के प्रति सम्मान की बात कही है।

कौन होगा लोकसभा स्पीकर?, ओम बिरला या फिर नए चेहरे पर दांव लगा सकती है भाजपा

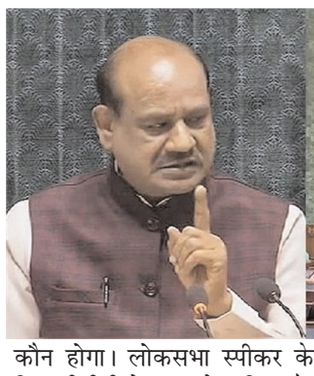

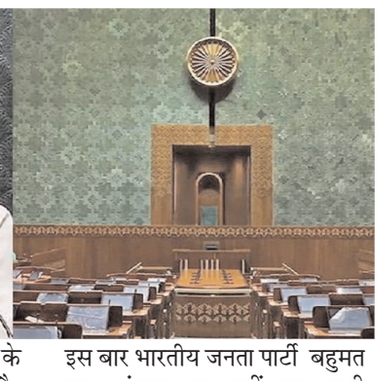

नई दिल्ली (एजेंसी)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने सोमवार को मंत्रियों के विभागों का बंटवारा कर दिया। इसके बाद सभी मंत्रियों ने अपने ऑफिस जाकर मंगलवार को चार्ज ले लिया है। अब लोकसभा के गठन की तैयारियां शुरू हो चुकी हैं। सूत्रों के मुताबिक, 18 जून से 18वीं लोकसभा का पहला सत्र शुरू हो सकता है। इसके बाद प्रोटेम स्पीकर बनाया जाएगा। प्रोटेम स्पीकर सभी सांसदों को शपथग्रहण कराएंगे। माना जा रहा है कि सांसदों के शपथग्रहण के बाद स्पीकर के लिए चुनाव होगा। अब सबकी निगाहें इस पर टिक गई हैं कि लोकसभा स्पीकर कौन होगा। लोकसभा स्पीकर के लिए टीडीपी ने दावा ठोक दिया है। वहीं, जेडीयू भी इस पर पद पर दावा ठोक रही है। 26 जून को स्पीकर के पद का चुनाव होने की संभावना है। इस बार भारतीय जनता पार्टी बहुमत का आंकड़ा पार नहीं कर सकी इसलिए सहयोगी दलों के साथ मिलकर एनडीए की सरकार बनाई।

ओडिशा के सीएम होंगे मोहन चरण माझी

भुवनेश्वर (एजेंसी)। मोहन चरण माझी ओडिशा के नए मुख्यमंत्री होंगे। इसके अलावा कनक वर्धन सिंहदेव और प्रभाती परिदा राज्य के डिप्टी ष्टरू होंगे। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह और भूपेंद्र यादव ने पार्टी विधायकों के साथ भुवनेश्वर में हुई बैठक में तीनों के नाम की घोषणा की। शपथ 12 जून को होगा। मोहन चरण माझी क्योंझर से 4 बार के विधायक हैं। उन्होंने 2024 विधानसभा चुनाव में बीजेडी की वीणा माझी को 11 हजार से ज्यादा वोटों से हराया। इसके अलावा वे 2019, 2009 और 2000 में भी विधायक रह चुके हैं। कनक वर्धन सिंहदेव पटनागढ़ से और प्रभाती परिदा पुरी की निमापारा सीट से विधायक हैं। कनक वर्धन सिंहदेव बोलांगीर के राजपरिवार से ताल्लुक रखते हैं। वे नवीन पटनायक की सरकार में 2000 से 2004 तक उद्योग और सार्वजनिक उद्यम, 2004 से 2009 तक शहरी विकास और सार्वजनिक उद्यम के कैबिनेट मंत्री रह चुके हैं। इसके अलावा वे भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष भी रह चुके हैं। ओडिशा विधानसभा चुनाव में भाजपा ने पहली बार बहुमत के साथ जीत हासिल की है। राज्य की 147 सीटों में से भाजपा को 78 सीटें मिली हैं। वहीं, नवीन पटनायक की बीजू जनता दल को 51, कांग्रेस को 14, सीपीआईएम को 1 और अन्य को 3 सीटों पर जीत मिली है। माई नेता इंफो वेबसाइट के मुताबिक, ओडिशा के नए सीएम मोहन चरण माझी के पास ग्रेजुएट डिग्री है। उन्होंने इलेक्शन कमीशन को दिए हलफनामे में कुल चल-अचल संपत्ति करीब 1.97 करोड़ रूपए बताई है।

महिलाओं को 1000 रुपए मानदेय देने की मांग को लेकर आतिशी के आवास के बाहर विरोध प्रदर्शन

नई दिल्ली (एजेंसी)। महिला मंच की सदस्यों ने मंगलवार को दिल्ली की वित्त मंत्री आतिशी के आवास के बाहर विरोध प्रदर्शन किया और आम आदमी पार्टी (आप) सरकार से शहर की महिलाओं को 1000 रुपये मानदेय देने की उसकी बजट घोषणा को पूरा करने की मांग की। मथुरा रोड पर स्थित मंत्री के आवास के बाहर प्रदर्शनकारियों ने नारे लगाए। एक प्रदर्शनकारी सफिया फहीम ने कहा, आप सरकार ने अपने बजट में महिलाओं को 1000 रुपये प्रति माह मानदेय देने की घोषणा की थी। यह कोई चुनावी वादा नहीं था, इसलिए सरकार को अब महिलाओं को यह पैसे देने चाहिए। एक पुलिस अधिकारी ने बताया कि प्रदर्शनकारियों को तितर-बितर कर दिया गया और किसी को भी हिरासत में नहीं लिया गया है। पुलिस के एक वरिष्ठ अधिकारी ने कहा, कुछ महिलाएं मंत्री आतिशी के आवास के बाहर प्रदर्शन कर रही थी। महिलाएं शांतिपूर्वक प्रदर्शन कर रहीं थी, जिससे किसी को भी हिरासत में नहीं लिया गया है। लोकसभा चुनाव के प्रचार के दौरान तिहाड़ जेल से जमानत पर बाहर आए दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने बार-बार आश्वासन दिया था।

चंद्रबाबू नायडू एनडीए विधायक दल के नेता चुने गए

अमरावती (एजेंसी)। आंध्र प्रदेश में नई सरकार बनाने के लिए मंगलवार (11 जून) को एनडीए की तेलुगु देशम पार्टी, जनसेना और भाजपा विधायकों ने विजयवाड़ा में मीटिंग की। इसमें टीडीपी अध्यक्ष एन चंद्रबाबू नायडू को सर्वसम्मति से एनडीए विधायक दल का नेता चुना गया। एक्टर से नेता बने जनसेना प्रमुख पवन कल्याण को विधानसभा में फ्लोर लीडर चुना गया। इसके बाद नायडू और कल्याण राज्यपाल एस अब्दुल नजीर से मिलने राजभवन पहुंचे। उन्होंने राज्यपाल से मिलकर सरकार बनाने का दावा पेश किया।

24 जून से शुरू होगा संसद का विशेष सत्र, 26 को हो सकता है लोकसभा स्पीकर का चुनाव

नई दिल्ली (एजेंसी)। संसद का 8 दिवसीय विशेष सत्र 24 जून से शुरू होने वाला है। सूत्रों के मुताबिक 8 दिवसीय सत्र में 26 जून को लोकसभा स्पीकर का चुनाव होने की संभावना है। सूत्रों के अनुसार, 24 और 25 जून को नए सांसद शपथ लेंगे। विशेष सत्र के दौरान, भाजपा के एजेंडे में एक मुख्य कार्य नए लोकसभा अध्यक्ष के लिए एनडीए की पसंद का चयन करना होगा। लोकसभा अध्यक्ष का पद लोगों के दिमाग में फिर से आ गया है क्योंकि राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (एनडीए) की दोनों पार्टियाँ, टीडीपी और जेडी (यू), इस कुर्सी पर नज़र गड़ाए हुए हैं। हाल ही में संपन्न हुए लोकसभा चुनावों में, भाजपा केवल 240 सीटें ही जीत पाई और 272 के आंकड़े से चूक गई।

रिजीजू, मेघवाल को संसदीय कार्य मंत्रालय की जिम्मेदारी मिलने पर कांग्रेस ने प्रधानमंत्री पर निशाना साधा

नई दिल्ली (एजेंसी)। कांग्रेस ने किरेन रिजीजू को संसदीय कार्य मंत्री और अर्जुन राम मेघवाल को उनके साथ राज्य मंत्री बनाए जाने के बाद मंगलवार को कहा कि यह पूरी तरह से स्पष्ट हो गया है कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी इस बारे में जरा भी विश्वास पैदा नहीं करना चाहते कि संसद पिछले 10 साल से जिस तरीक़े से चल रही थी उससे अलग ढंग से काम करे। पार्टी महासचिव जयराम रमेश ने यह भी कहा कि आने वाले दिनों में विपक्षी गठबंधन 'इंडियन नेशनल डेवलपमेंटल इन्क्लूसिव अलायंस% ('इंडिया%) दोनों सदनों में जनता की इच्छा और जनादेश को मजबूती के साथ प्रतिबिंबित करता रहेगा।रमेश ने सोशल मीडिया मंच 'एक्स पर पोस्ट किया, ''संसदीय मामलों के विभाग के आवंटन से एक बात बिल्कुल स्पष्ट है। प्रधानमंत्री इसे लेकर जरा भी विश्वास पैदा नहीं करना चाहते हैं कि संसद पिछले एक दशक में जिस तरीक़े से चल रही थी उससे अलग ढंग से काम करे।

सिर पर छत की गारंटी खोखली निकली, अब 3 करोड़ घरों का ढिंढोरा पीट रही भाजपा-खरगे

नई दिल्ली (एजेंसी)। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने मंगलवार को आरोप लगाया कि 2022 तक सबसे सिर पर छत की 'मोदी की गारंटी खोखली साबित होने के बाद अब 3 करोड़ आवास का ढिंढोरा पीटा जा रहा है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की अध्यक्षता में सोमवार को हुई केंद्रीय मंत्रिमंडल की पहली बैठक में प्रधानमंत्री आवास योजना (पीएमएवाई) के तहत 3 करोड़ घरों के निर्माण के लिए सरकारी सहायता को मंजूरी दी गई। खरगे ने कटाक्ष करते हुए 'एक्स% पर पोस्ट किया, ''लोकसभा चुनाव में देश ने ऐसा जवाब दिया कि मोदी सरकार को दूसरों के घरों से कुर्सियां उधार लेकर अपना सत्ता का ''घर संभालना पड़ रहा है। 17 जुलाई 2020 को प्रधानमंत्री जी ने देश को ''मोदी की गारंटी दी थी कि 2022 तक हर भारतीय के सिर पर छत होगी। ये ''गारंटी तो खोखली निकली। उन्होंने कहा, ''अब तीन करोड़ प्रधानमंत्री आवास देने का ढिंढोरा ऐसे पीट रहे हैं, जैसे पिछली गारंटी पूरी कर ली हो। देश असलियत जानता है कि इस बार इन तीन करोड़ घरों के लिए कोई समय सीमा निर्धारित नहीं की है क्योंकि भाजपा ने पिछले 10 वर्षों में कांग्रेस-संप्रग के मुक़ाबले पूरे 1.2 करोड़ घर कम बनवाए।

उद्धव ठाकरे ने चुनाव में कड़ी मेहनत की लेकिन कांग्रेस-एनसीपी को ज्यादा फायदा हुआ-भाजपा

मुंबई (एजेंसी)। भाजपा नेता चंद्रकांत पाटिल ने मंगलवार को कहा कि उद्धव ठाकरे ने लोकसभा चुनाव प्रचार के दौरान काफी प्रयास किए, लेकिन ऐसा लगता है कि सहयोगी दलों कांग्रेस और राकांपा (सपा) को उनकी अपनी पार्टी से अधिक लाभ हुआ। महाराष्ट्र के वरिष्ठ मंत्री पाटिल ने यहां एक कार्यक्रम में कहा कि ठाकरे की तबीयत ठीक नहीं है लेकिन फिर भी उन्होंने जमकर प्रचार किया। उन्होंने कहा, उद्धव ठाकरे की तबीयत ठीक नहीं थी, फिर भी उन्होंने काफी प्रयास किए। मैं उनके स्वास्थ्य को लेकर चिंतित था। हालांकि, परिणाम बताते हैं कि उनके प्रयासों से उनकी अपनी पार्टी से ज्यादा एनसीपी (सपा) और कांग्रेस को फायदा हुआ। पाटिल ने आगे कहा, जब ठाकरे भाजपा के साथ थे, तब उनकी पार्टी ने 18 लोकसभा सीटें जीती थीं। कांग्रेस और एनसीपी (सपा) के साथ मिलकर उन्होंने नौ सीटें जीतीं। उन्हें आत्मचिंतन करने की जरूरत है। ठाकरे की शिवसेना (यूबीटी) ने राज्य की 48 लोकसभा सीटों में से 21 पर चुनाव लड़ा, लेकिन केवल नौ पर जीत हासिल की। ??दूसरी ओर, कांग्रेस ने 17 सीटों पर चुनाव लड़ा और 13 पर जीत हासिल की।

आरएमडी ने जारी किया मौसम को लेकर ऑरेंज अलर्ट

तापमान बढ़ने से बढ़ेगी दिन और रात को तपिश

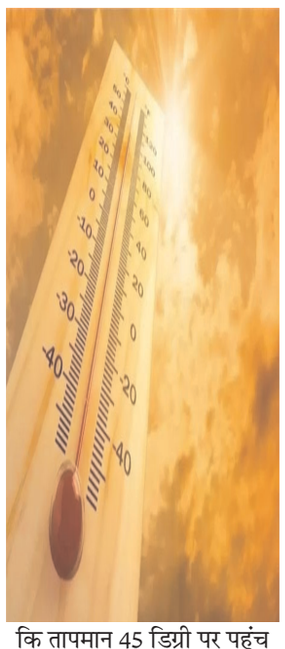

नई दिल्ली (एजेंसी)। गर्मी ने एक बार फिर से लोगों की परेशानियां बढ़ा दीं हैं। सोमवार को यहां अधिकतम तापमान 43.6 डिग्री दर्ज किया गया है। वहीं मौसम विभाग का कहना है कि दिल्ली में लोगों को अगले 6 दिन तक राहत मिलने की उम्मीद नहीं है।

हालांकि अगले दो दिनों के लिए ऑरेंज अलर्ट और चार दिनों के लिए येलो अलर्ट जारी किया गया है। बीते सप्ताह की वेदर रिपोर्ट देखें तो यहां पर अधिकतम पारा 41 से 43 डिग्री के बीच रहा। इस हफ्ते 44 से 45 डिग्री के बीच अधिकतम तापमान रहने की संभावना है। मंगलवार को अधिकतम तापमान 44 डिग्री रहेगा, जबकि बुधवार को संभावना है कि तापमान 45 डिग्री पर पहुंच जाएगा। इससे दिन और रात के समय गर्मी बढ़ेगी। इस दौरान लोगों को सावधान रहने की सलाह दी है।

भाजपा ने गृह-रक्षा समेत टॉप-10 मंत्रालय अपने पास रखे

नई दिल्ली (एजेंसी)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की तीसरी सरकार के मंत्रियों के विभागों की तस्वीर सोमवार 10 जून की शाम साफ हो गई। भाजपा ने गृह, रक्षा, वित्त, विदेश समेत 10 टॉप मंत्रालय अपने पास ही रखे हैं। वहीं, टीडीपी को एविएशन, जेडीयू को डेयरी और जेडीएस को भारी उद्योग मंत्रालय देकर संतुलन बनाया गया है। राजनाथ सिंह, अमित शाह, निर्मला सीतारमण को फिर से क्रमशः रक्षा, गृह व वित्त मंत्रालय दिया गया है। एस जयशंकर को फिर से विदेश, पीयूष गोयल को वाणिज्य और धर्मेंद्र प्रधान को शिक्षा मंत्रालय मिला है। अश्विनी वैष्णव को रेलवे-आईटी के साथ सूचना प्रसारण मंत्रालय मिला है।

प्रियंका वाराणसी से लड़तीं तो मोदी हार जाते

रायबरेली (एजेंसी)। लोकसभा चुनाव में जीत के ठीक एक हफ्ते बाद राहुल और प्रियंका गांधी मंगलवार 11 जून को पहली बार रायबरेली पहुंचे। राहुल ने कहा- मोदी और शाह देश की नींव के साथ खिलवाड़ कर रहे। इसलिए देश एकजुट हो गया। पहली बार देखा, देश का प्रधानमंत्री हिंसा की राजनीति करते हैं। जनता के बीच नफरत फैलाते हैं। तीन उद्योगपतियों को फायदा पहुंचाते हैं। राहुल ने कहा- आपने देखा, वे (भाजपा) अयोध्या की सीट हार गए। अयोध्या का मंदिर बनाया, लेकिन इनॉगरेशन में एक भी गरीब नहीं था। देश की राष्ट्रपति को कहा कि तुम यहां नहीं आ सकती। सिर्फ अयोध्या में नहीं, प्रधानमंत्री वाराणसी से भी जान बचाकर निकले। अगर मेरी बहन प्रियंका यहां चुनाव लड़ती तो पीएम 2 से 3 लाख वोट से हार जाते। इससे पहले प्रियंका गांधी ने कहा- जब मैं चुनाव लड़ने आई थी तो कहा था 300 घंटे हैं। आप लोग 2-2 घंटे सो लीजिए। बाकी समय में काम करना है। अवध से जीतकर हमने पूरे देश में एक मैसेज भेजा। राहुल ने कहा- अगर बहन प्रियंका लड़ गई होती तो देश के प्रधानमंत्री 2 से 3 लाख वोटों से चुनाव हार जाते। देश की जनता ने प्रधानमंत्री को संदेश दिया कि हम नफरत के खिलाफ हैं। राहुल ने कहा- मोदी जी ने कहा था, मैं नहीं भगवान मुझे ऑर्डर देते हैं। मैं काम करता हूं। आपने देश के प्रधानमंत्री को संदेश भेजा है कि अगर संविधान को छुआ तो देखो मैं क्या कर सकता हूं। जैसा प्रियंका ने कहा इस बार कांग्रेस एक होकर लड़ी। समाजवादी पार्टी को धन्यवाद कि उनका हर कार्यकर्ता हमारे कार्यकर्ताओं के साथ मिलकर लड़ा। पहली बार देखा इंडी गठबंधन का हर कार्यकर्ता एक साथ खड़े होकर लड़ा। राहुल ने कहा- अमेठी की जनता से कहना चाहता हूं, मैं रायबरेली का सांसद हूं। लेकिन जो रायबरेली में होगा, वही अमेठी में भी होगा। आपने प्रधानमंत्री को बता दिया कि हम नफरत के खिलाफ हैं।

मोहब्बत की दुकान खोलेंगे। राहुल ने कहा- पहले शिकायत आती थी कि यहां उन्होंने मदद नहीं की। लेकिन इस बार गठबंधन के साथी एक इंच पीछे नहीं हटे। देश की आत्मा को समझ आया कि मोदी और शाह संविधान को खत्म करना चाहते हैं। हमारे नेता कार्यकर्ता अहंकार के शिकार नहीं होंगे।

सीतामढ़ी में नहाने गए 4 बच्चे बागमती नदी में डूबे

सीतामढ़ी (एजेंसी)। बिहार के सीतामढ़ी जिले से दर्दनाक हादसे की खबर सामने आई है, जहां पर बागमती नदी में नहाने गए चार बच्चों की डूबकर मौत हो गई। सूचना पर पहुंची एसडीआरएफ की टीम ने तीन बच्चों का शव बरामद कर लिया है, जबकि एक बच्चे की तलाश अभी भी जारी है। इस घटना के बाद गांव में मातम का माहौल पसर गया है। परिवार वालों का रो-रोकर बुरा हाल है। जानकारी के मुताबिक, घटना जिले के सुप्पी थाना क्षेत्र के अख्ता गांव के समीप सतार घाट की है। बताया जा रहा है कि मंगलवार को चारों बच्चे सतार घाट पर नहाने गए हुए थे। इसी दौरान चारों गहरे पानी में चले गए, जिससे उनकी डूबकर मौत हो गई। इधर, घटना की सूचना मिलते ही पुलिस और एसडीआरएफ की टीम मौके पर पहुंची। एसडीआरएफ की टीम ने 3 तीन बच्चों का शव बरामद कर लिया है, वहीं एक बच्चे की तलाश जारी है। वहीं, दूसरी तरफ कैमूर जिले के चैनपुर थाना क्षेत्र में मंगलवार को तालाब में डूबकर दो बच्चियों की मौत हो गई। पुलिस सूत्रों ने बताया कि मसोई खुर्द गांव निवासी बालेश्वर प्रसाद की 8 वर्षीय पुत्री अनिता कुमारी और रमेश बिन्द की पुत्री आंचल कुमारी तालाब में स्नान कर रही थी। इस दौरान दोनों गहरे पानी मे चली गई, जिससे उनकी डूबकर मौत हो गई।

तेजस्वी ने पिता लालू यादव को दी जन्मदिन की बधाई

पटना (एजेंसी)। बिहार के पूर्व मुख्यमंत्री और राजद सुप्रीमो लालू प्रसाद यादव अपना 77 वां जन्मदिन मना रहे हैं। वहीं, लालू प्रसाद यादव के जन्मदिवस के अवसर पर पूर्व उपमुख्यमंत्री और नेता प्रतिपक्ष तेजस्वी यादव ने उन्हें शुभकामनाएं दी हैं। तेजस्वी यादव ने कहा कि वह गरीबों के मसीहा हैं और हम लोगों की आशा है कि भगवान उन्हें लंबी उम्र दें। मंत्रिमंडल में विभाग के बंटवारे पर तेजस्वी यादव ने कहा कि एक बात तय है कि इस बार नरेंद्र मोदी प्रधानमंत्री के रूप बेहद कमजोर प्रधानमंत्री साबित होंगे।

गॉफ और सिनियाकोवा ने फ्रेंच ओपन महिला युगल खिताब जीता

पेरिस (एजेंसी)। कोको गॉफ ने यहां फ्रेंच ओपन टेनिस टूर्नामेंट में कैटरीना सिनियाकोवा के साथ मिलकर अपना पहला महिला युगल ग्रैंडस्लैम खिताब जीता। पिछले साल अमेरिकी ओपन का महिला एकल खिताब जीतने वाली 20 साल की अमेरिका की गॉफ और चेक गणराज्य की सिनियाकोवा ने जैस्मिन पाओलिनी और सारा इरानी की इटली की जोड़ी को सीधे सेट में 7-6, 6-3 से हराया। गॉफ ने तीसरी बार ग्रैंडस्लैम महिला युगल के फाइनल में जगह बनाई। इससे पहले उन्हें 2022 में रोलां गैरो पर ही और 2021 में अमेरिकी ओपन में खिताबी मुकाबले में हार का सामना करना पड़ा था। गॉफ ने कहा, ''तीसरी बार में भाग्यशाली रही। मेरे साथ खेलने के लिए धन्यवाद कैटरीना। टूर्नामेंट से दो

दिन पहले हमने एक साथ खेलने का फैसला किया। प्रशंसकों को भी धन्यवाद। मुझे पता है कि रविवार को सुबह साढ़े 11 बजे अधिकांश लोगों के लिए जल्दी होता है। मेरे लिए यह जल्दी है।'' पाओलिनी को शनिवार को रोलां गैरो पर एकल फाइनल में चार बार की चैंपियन इगा स्वियातेक के खिलाफ हार का सामना करना पड़ा था।

स्वियातेक ने एकल सेमीफानइल में गॉफ को हराया था। सिनियाकोवा ने महिला युगल में अपनी जोड़ीदार बारबरा क्रेसिकोवा के साथ करियर स्लैम (चारों ग्रैंडस्लैम जीतना) पूरा किया है। वह फ्रेंच ओपन में 2018 और 2021 की भी महिला युगल चैंपियन हैं। इरानी भी अपनी पूर्व जोड़ीदार रॉबर्टा विन्सी के साथ युगल में करियर स्लैम पूरा कर चुकी हैं। इस जोड़ी ने 2012 में फ्रेंच ओपन खिताब जीता था। उसी साल इरानी को एकल फाइनल में शिकस्त का सामना करना पड़ा था।

विराट के सामने कहीं नहीं टिकते बाबर-कनेरिया

लाहौर (एजेंसी)। पाकिस्तान के पूर्व क्रिकेटर दानिश कनेरिया ने भारतीय टीम के स्टार बल्लेबाज विराट कोहली की जमकर प्रशंसा की है। कनेरिया ने कहा कि विराट के सामने पाक कप्तान बाबर कहीं नहीं टिकते इसलिए इन दोनो की तुलना नहीं हो सकती। कनेरिया ने ये बात इसलिए कहीं क्योंकि समय-समय पर कई पूर्व पाक क्रिकेटरों ने आजम को एक बेहतरीन बल्लेबाज बताते हुए उनकी तुलना विराट से की है। विराट और बाबर के बीच कौन बेहतर है, इसको लेकर समय-समय पर बहस भी हुई है। कनेरिया ने कहा, जैसे ही बाबर किसी मैच में शतक लगाते हैं, अगले दिन विराट से उनकी तुलना शुरू हो जाती है पर वह उनके सामने कहीं नहीं टिकते। इस पूर्व स्पिनर ने साथ ही कहा, अमेरिका के गेंदबाजों के आगे बाबर बेबस नजर आये। वह एक नई टीम के गेंदबाजों को खेलने में भी संघर्ष करते दिखे जबकि उन्हें उस मैच में काफी रन बनाने चाहिये थे। उन्होंने कहा कि अमेरिका के खिलाफ मुकाबले में पाक टीम के बल्लेबाज ही नहीं गेंदबाज भी विफल रहे थे। इससे साफ है कि टीम कितनी खराब स्थिति में हैं। इस मैच में पाक गेंदबाज हारिस रऊफ पर गेंद से छेड़छाड़ का आरोप भी लगे थे। ये आरोप अमेरिकी टीम के गेंदबाज रस्टी थेरोन ने लगाये थे। उनका कहना था कि रऊफ ने गेंद में नाखून लगाये थे।

आईपीएल से बाहर रहने का लाभ मिल रहा-जंपा

ब्रिजटाउन (एजेंसी)। ऑस्ट्रेलियाई टीम के स्पिनर एडम जंपा ने कहा है इस साल आईपीएल नहीं खेलने का उनका फैसला सही रहा, इसका लाभ अब उन्हें मिल रहा है। जंपा का मानना है कि इसी कारण उन्हें टी20 विश्वकप की तैयारियों के लिए भी पर्याप्त समय मिला। इसके साथ ही उनकी फिटनेस भी बेहतर हुई। जिससे वह अब तक विश्वकप में अच्छा प्रदर्शन कर पाये हैं। जंपा का मानना है कि आईपीएल से बाहर रहने के कारण ही वह अपने परिवार के साथ समय बिता पाये हैं। जम्पा ने इंग्लैंड के खिलाफ मुकाबल में अच्छी गेंदबाजी की थी। जम्पा ने कहा, 'निश्चित तौर पर विश्व कप को ध्यान में रखते हुए आईपीएल से हटने का मेरा फैसला पूरी तरह से सही रहा। आईपीएल से पहले मैं काफी थका हुआ महसूस कर रहा था तथा मैं पूरी तरह से फिट भी नहीं था। इसके अलावा मैं परिवार के साथ समय बिताना चाहता था। मेरा मानना है कि परिवार को काम से अधिक प्राथमिकता दी जानी चाहिये। उन्होंने कहा, 'खेल में मैं थोड़ा धीमी शुरुआत करने वाला व्यक्ति हूं और इस कारण मुझे थोड़ी अधिक मेहनत करनी होती है पर अब मैं अब पूरी तरह से फिट हूं ।

टी20 विश्वकप में कनाडा पर बड़ी जीत के इरादे से उतरेगी पाकिस्तान

न्यूयॉर्क (एजेंसी)। पाकिस्तान की टीम अब मंगलवार को होने वाले टी20 विश्वकप के ग्रुप चरण के मुकाबले में कनाडा को किसी भी हालत में हराने के इरादे से उतरेगी। पाक टीम अगर इस मैच में हारती है तो उसके टूर्नामेंट में आगे जाने की संभावनाएं तकरीबन समाप्त हो जाएंगी। इसलिए उसके पास अपने को मुकाबले में बनाये रखने का ये अंतिम अवसर है। उसे अपने पहले ही मैच में अमेरिका के खिलाफ हार का सामना करना पड़ा था। इसके बाद दूसरे मैच में भारतीय टीम ने उसे छह रनों से हरा दिया। इससे पाक टीम अब बेहद कठिन हालातों में आ गयी है। ऐसे में अब उसे टी20 विश्व कप में ग्रुप चरण के मैच में कनाडा के खिलाफ बड़ी जीत दर्ज करना करनी है। पाकिस्तान टीम अब सुपर आठ में तभी पहुंच पाएगी जब वह कनाडा और आयरलैंड के खिलाफ बड़ी जीत करेगी।

इसके लिए उसे उम्मीद करनी होगी कि अमेरिकी टीम भारत और आयरलैंड के खिलाफ मुकाबलों में हार जाये। इस हालत में दोनों टीमों के चार चार अंक होंगे और फैसला बेहतर नेट रन रेट से होगा। ऐसे में पाक टीम की संभावनाएं बन सकती हैं। पाकिस्तान क्रिकेट टीम नासाउ के मैदान पर अपना दूसरा मैच खेलने उतरेगी।

भारत को अगर टी20 विश्व कप जीतना है तो बुमराह को बड़ी भूमिका निभानी होगी-कुंबले

न्यूयॉर्क (एजेंसी)। दिग्गज स्पिनर अनिल कुंबले का मानना है कि जसप्रीत बुमराह अपनी अनुकूलन क्षमता और अद्वितीय कौशल से परिस्थितियों से सामंजस्य बिठा लेते हैं और अगर भारत को टी20 विश्व कप जीतना है तो इस प्रमुख तेज गेंदबाज को अहम भूमिका निभानी होगी। बुमराह (14 रन पर तीन विकेट) ने मैच विजयी प्रदर्शन करते हुए भारत को रविवार को यहां बहुप्रतीक्षित मैच में चिर प्रतिद्वंद्वी पाकिस्तान पर छह रन से रोमांचक जीत दिलाई। नासाउ काउंटी अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट स्टेडियम की असमान गति वाली पिच पर भारत के 119 रन के जवाब में पाकिस्तान की टीम 20 ओवर में सात विकेट पर 113 रन ही बना सकी। बुमराह और हार्दिक पंड्या (24 रन पर दो विकेट) की तेज गेंदबाजी जोड़ी ने अपनी धारदार गेंदबाजी से भारत को वापसी दिलाई। कुंबले ने 'ईएसपीएनक्रिकइंफो' पर कहा, ''हमने 15वें ओवर में देखा कि उन्होंने विकेट (मोहम्मद रिजवान का) लिया और फिर 19वें ओवर में, जब आपको पता था कि अगर उन्होंने उस ओवर में कुछ बाउंड्री खाई होती तो आखिरी ओवर में 10 या 12 रन रह जाते।'' उन्होंने कहा, ''लेकिन एक बार जब यह 18 या 19 रन पर पहुंच जाता है तो इस तरह की सतह पर पुछल्ले बल्लेबाजों के लिए आकर रन बनाना असंभव हो जाता है।

इसलिए अगर भारत यह टूर्नामेंट जीतता है तो जसप्रीत बुमराह को इसमें अहम भूमिका निभानी होगी।'' पंड्या ने शॉर्ट बॉल का अच्छा इस्तेमाल किया तो वहीं बुमराह ने 15वें ओवर में रिजवान और फिर 19वें ओवर में इफ्तिखार अहमद को आउट किया। इसमें 19वें ओवर में सिर्फ तीन रन बने। समीकरण अंतिम छह गेंदों पर 18 रन पर आ गया था और अर्शदीप सिंह ने संयम बनाए रखते हुए विश्व मंच पर पाकिस्तान पर भारत की एक और शानदार जीत सुनिश्चित की। कुंबले ने बुमराह की तारीफ करते हुए कहा कि चयन के मामले में उन्हें टीम का नंबर एक खिलाड़ी कहा, चाहे प्रारूप कोई भी हो और पिच की प्रकृति कैसी भी हो। उन्होंने कहा, ''जसप्रीत बुमराह आपकी टीम की सूची में नंबर एक खिलाड़ी होना चाहिए। प्रारूप को भूल जाइए, जसप्रीत बुमराह आपके नंबर एक खिलाड़ी हैं।

पीसीबी का सुझाव, अगले साल की चैम्पियंस ट्राफी 4 में लाहौर में खेले भारत अपने सभी मैच

लाहौर (एजेंसी)। पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड (पीसीबी) ने भारत के लिए सर्वश्रेष्ठ सुरक्षा इंतजाम सुनिश्चित करने की मुहिम में सुझाव दिया कि पड़ोसी देश अगले साल की आईसीसी (अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद) चैम्पियंस ट्राफी के दौरान लाहौर में अपने सभी मैच खेले। पीसीबी के एक विश्वस्त सूत्र ने कहा कि आईसीसी को भेजे गये टूर्नामेंट के 'ड्राफ्ट कार्यक्रम' में यह सुझाव दिया गया है। सूत्र ने कहा, ''हां, भारतीय टीम की यात्रा कम करने और सर्वश्रेष्ठ सुरक्षा इंतजाम मुहैया कराने के लिए उनके सभी मैच लाहौर में कराने का सुझाव दिया गया है।'' भारत ने पिछले साल सुरक्षा चिंताओं की वजह से एशिया कप के लिए पाकिस्तान में खेलने से इनकार कर दिया था जिसके बाद उसके सभी मैच श्रीलंका में कराये गये थे।

पाकिस्तान को अगले साल 19 फरवरी से नौ मार्च के बीच आईसीसी के इस 50 ओवर के टूर्नामेंट की मेजबानी करनी है। आईसीसी कार्यकारी बोर्ड को अभी 'ड्रॉफ्ट कार्यक्रम' को मंजूरी देनी है लेकिन पीसीबी ने चैम्पियंस ट्राफी के मैचों के लिए अन्य स्थलों में कराची और रावलपिंडी को भी रखा है। पाकिस्तान 1996 के बाद पहली बार किसी बड़े आईसीसी टूर्नामेंट की मेजबानी करेगा, हालांकि उसने 2008 में पूरे एशिया कप की मेजबानी की थी और पिछले साल भी इसी टूर्नामेंट के कुछ मैच अपनी सरजमीं पर कराये थे। भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) को अभी आधिकारिक रूप से पुष्टि करनी है कि वह राष्ट्रीय टीम को आईसीसी टूर्नामेंट के लिए पाकिस्तान भेजेगा या नहीं।

अंपायर के फैसले पर नाराजगी जताने के लिए आस्ट्रेलियाई बल्लेबाज मैथ्यू वेड को लगी फटकार

ब्रिजटाउन (एजेंसी)। आस्ट्रेलियाई विकेटकीपर बल्लेबाज मैथ्यू वेड को पिछले हफ्ते टी20 विश्व कप में इंग्लैंड पर उनकी टीम की जीत के दौरान अंपायर के फैसले पर असहमति जताने के लिए आईसीसी द्वारा फटकार लगायी गयी। इसके साथ ही वेड के अनुशासनात्मक रिकॉर्ड में एक 'डिमैरिट' अंक भी जोड़ दिया गया है। यह उनका 24 महीने में पहला उल्लंघन था। अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) ने सोमवार को मीडिया विज्ञप्ति में कहा, ''आस्ट्रेलियाई खिलाड़ी मैथ्यू वेड को शनिवार को बारबाडोस में केनसिंगटन ओवल में इंग्लैंड के खिलाफ आईसीसी पुरुष टी20 विश्व कप 2024 के ग्रुप बी मैच के दौरान आईसीसी की आचार संहिता के लेवल एक के उल्लंघन के लिए आधिकारिक फटकार लगायी गयी है।'' यह घटना आस्ट्रेलियाई पारी के 18वें ओवर में घटी जब वेड ने लेग स्पिनर आदिल राशिद की गेंद खेली लेकिन वह उम्मीद कर रहे थे कि अंपायर इसे 'डेड बॉल' करार देंगे। लेकिन ऐसा नहीं हुआ जिसके बाद वेड ने अंपायरों से बहस करना शुरू कर दिया। वेड ने आईसीसी की खिलाड़ियों और खिलाड़ी सहयोगी स्टाफ आचार संहिता के अनुच्छेद 2.8 का उल्लंघन किया जो अंतरराष्ट्रीय मैच के दौरान अंपायर के फैसलों पर नाराजगी दिखाने से संबंधित है। वेड ने यह उल्लंघन स्वीकार कर दिया है और आईसीसी मैच रैफरियों के एलीट पैनल के एंडी पाइक्रोफ्ट द्वारा प्रस्तावित सजा स्वीकार कर ली इसलिये आधिकारिक सुनवाई की जरूरत नहीं पड़ी। मैदानी अंपायर नितिन मेनन और जोएल विल्सन, तीसरे अंपायर आसिफ याकूब और चौथे अंपायर जयरमन मदनगोपाल ने वेड पर ये आरोप लगाये। लेवल एक में न्यूनतम सजा आधिकारिक फटकार और अधिकतम सजा खिलाड़ी की मैच फीस का 50 प्रतिशत हिस्सा तथा एक या दो डिमैरिट अंक होते हैं।

जब पंत की कार दुर्घटना के बारे में पढ़ा तो मेरी आंखों में आंसू थे-ऋषभ पंत

न्यूयॉर्क (एजेंसी)। पूर्व भारतीय मुख्य कोच रवि शास्त्री ने खुलासा किया कि 2022 में ऋषभ पंत की कार दुर्घटना की खबर पढ़कर उनकी आंखों में आंसू आ गये थे और जब उन्होंने इस करिश्माई विकेटकीपर को अस्पताल में देखा तो उन्हें बहुत बुरा लगा था। पंत 30 दिसंबर 2022 में हुई इस कार दुर्घटना में बाल बाल बचे और गंभीर रूप से घायल हो गये थे। एक साल तक रिहैबिलिटेशन के बाद पंत ने इस साल इंडियन प्रीमियर लीग से पेशेवर क्रिकेट में वापसी की। उन्होंने अमेरिका और वेस्टइंडीज में चल रहे टी20 विश्व कप के लिए इस महीने भारतीय टीम में वापसी की। शास्त्री ने भारतीय क्रिकेट बोर्ड द्वारा पोस्ट किये गये वीडियो में कहा, ''जब मैंने उसकी कार दुर्घटना के बारे में पढ़ा तो मेरी आंखों में आंसू थे। जब मैंने उसे अस्पताल में देखा तो मुझे और भी खराब लग रहा था।'' शास्त्री ने रविवार को भारत की छह रन की जीत का जिक्र करते हुए कहा, ''और वहां से आपका वापसी करना और भारत बनाम पाकिस्तान जैसे बड़े मैच में शीर्ष स्तर पर वापसी करना शानदार है।'' पंत ने भारत की जीत में 31 गेंद में 42 रन का योगदान दिया और साथ ही शानदार विकेटकीपिंग की। इस मैच के बाद शास्त्री ने पंत को 'बीसीसीआई के फील्डर ऑफ द मैच' सम्मान देते हुए उनकी पारी और वापसी की प्रशंसा की। शास्त्री ने कहा, ''आप बल्लेबाजी में कितने माहिर हो सभी आपके 'एक्स फैक्टर' से वाकिफ हैं। लेकिन आपकी विकेटकीपिंग और वापसी के बाद इतनी जल्दी मूवमेंट हासिल करना इस बात का सबूत है कि आपने इसके लिए कितनी कड़ी मेहनत की है।'' उन्होंने कहा, ''यह सिर्फ आपके लिए नहीं बल्कि दुनिया भर के लाखों लोगों के लिए प्रेरणा है कि आप मौत के मुंह से निकलकर जीत हासिल कर सकते हो।

बहुत बढ़िया, शानदार। अच्छा काम जारी रखो और आगे बढ़ते रहो। आज सभी बहुत अच्छा खेले।'' भारत की यह लगातार दूसरी जीत थी जिससे टीम ग्रुप में शीर्ष पर पहुंच गयी है।

पेरिस ओलंपिक में पदक जीतने का प्रयास करेंगे अमित पंघाल

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारतीय मुक्केबाज मुक्केबाज अमित पंघाल का लक्ष्य अब पेरिस ओलंपिक में पदक जीतना रहेगा। पेरिस ओलंपिक के लिए टिकट मिलने के बाद से ही वह अभ्यास में लगे हुए हैं। पंघाल ने एशियाई खेलों और एशियाई चैंपियनशिप में स्वर्ण पदक और विश्व चैंपियनशिप में रजत पदक जीता है। पेरिस ओलंपिक के प्री-क्वार्टर फाइनल से बाहर होने के बाद से ही वह निराश थे।

तब भारतीय मुक्केबाजी संघ (बीएफआई) की मूल्यांकन प्रणाली के आधार पर उनकी जगह टीम में बनती नहीं दिखी। इस दौरान हो रही आलोचनाओं से भी उनका मनोबल

गिरा। पंघाल ने कहा कि इस दौरान उन्होंने अपना हौंसला बनाये रखा।

ऐसे कठिन समय में कोच अनिल धनखड़ ने उनका समर्थन किया। पंघाल ने कहा, 'उस समय कुछ अच्छा नहीं लगता था क्योंकि आप खेलना चाहते हैं और आपको खेलने का अवसर नहीं मिल पा रहा था।'' पंघाल को तब अवसर मिला जब दीपक भोरिया दो प्रयासों के बाद भी 51 किग्रा में ओलंपिक कोटा हासिल नहीं कर पाये। पंघाल को अंतिम क्वालीफाइंग स्पर्धा के लिए चुना गया और उन्होंने इसमें जीत हासिल कर ओलंपिक टिकट हासिल किया। इस मुक्केबाज को पिछले तीन साल में सीमित अंतरराष्ट्रीय प्रतियोगिताओं में भाग लेने के कारण कई पहलुओं पर काम करना पड़ा। उन्हें प्रतियोगिता से केवल एक महीने पहले ही अपने चयन के बारे में पता चला था। उन्होंने कहा, ''मैंने हर चीज पर काम किया। मैंने शरीर को आराम देने पर काम किया क्योंकि मुकाबलों के बीच आराम काफी जरुरी होता है।

भारत में तेजी से सामने आ रहीं बैडमिंटन प्रतिभाएं बीडब्ल्यूएफ

नई दिल्ली (एजेंसी)। विश्व बैडमिंटन की वैश्विक संचालन संस्था (बीडब्ल्यूएफ) के प्रमुख पॉल-एरिक होयर ने कहा है कि भारत में तेजी से बैडमिंटन की प्रतिभाएं सामने आ रही हैं। ऐसे में अगले साल भारत में होने वाले विश्व जूनियर बैडमिंटन चैंपियनशिप में रोमांचक मुकाबले देखने को मिलेंगी। होयर ने कहा, ''भारत में तेजी से बैडमिंटन में बेहतरीन प्रतिभाएं सामने आ रही हैं, ऐसे में विश्व जूनियर प्रतियोगिता का दूसरी बार भारत में आयोजन और भी अहम है।'' उन्होंने कहा, ''बीएआई के राष्ट्रीय उत्कृष्टता केंद्र बैडमिंटन में सभी अत्याधुनिक सुविधाएं है और ऐसे में यह उभरती हुई प्रतिभाओं के लिए टीम और व्यक्तिगत खिताब के लिए चुनौती पेश करने का बेहतरीन स्थान होगा।'' विश्व जूनियर बैडमिंटन चैंपियनशिप 2025 में भारत में होगी। इसका आयोजन गुवाहाटी में राष्ट्रीय उत्कृष्टता केंद्र में किया जाएगा। (बीडब्ल्यूएफ ने कहा कि करीब 15 साल बाद ये चैंपियनशिप भारत में होने जा रही है। इससे पहले साल 2008 में इसका आयोजन भारत में हुआ था। बीडब्ल्यूएफ ने कहा, ''टीम और व्यक्तिगत दोनों स्पर्धाएं गुवाहाटी राष्ट्रीय उत्कृष्टता केंद्र में आयोजित की जाएंगी।'' पिछली बार इन खेलों का आयेजन पुणे में हुआ था।

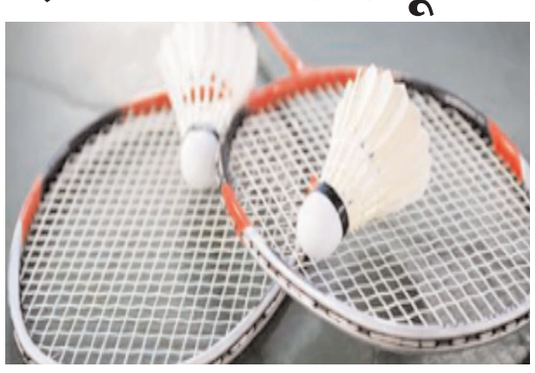

जल संरक्षण और संवर्धन हमारी प्राचीन परंपरा है : मुख्यमंत्री

जिले और विधानसभा क्षेत्र के विकास के लिए पाँच साल का रोडमैप बनाएं : मुख्यमंत्री

मीडिया ऑडीटर, सतना निप्र। मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव ने वीडियो कान्फ्रेंसिंग के माध्यम से जल गंगा संवर्धन अभियान की समीक्षा की। मुख्यमंत्री ने कहा कि पूरे प्रदेश में 5 जून से जल संवर्धन और संरक्षण के लिए अभियान चलाया जा रहा है। कई जिलों में बहुत अच्छा कार्य हो रहा है। जल संरक्षण और संवर्धन हमारी प्राचीन परंपरा है। वृक्षों और जल स्रोतों में भी हम देवताओं का वास मानते हैं। नदियों की देवियों की तरह पूजा की जाती है। पूरे प्रदेश में लाखों तालाब, प्राचीन बावड़ी, कुएं तथा अन्य जल संरचनाएं हमारी जल संरक्षण की परंपरा के गवाह हैं। जल गंगा संवर्धन अभियान में इनका जीर्णोद्धार करके नया स्वरूप दें जिससे वर्षाकाल में अधिक से अधिक जल का संग्रहण हो सके। अच्छी वर्षा होने के बाद शहरी और ग्रामीण क्षेत्रों में वृक्षारोपण का अभियान चलाएं। रोपित पौधों की सुरक्षा और देखभाल का भी पूरा प्रबंध करें। जल गंगा संवर्धन अभियान के तहत नदियों के उद्गम स्थलों की साफ-सफाई तथा विकास का कार्य कराएं।

मुख्यमंत्री ने कहा कि सांसदगण तथा विधायकगण मिलकर जिले और विधानसभा क्षेत्र के विकास के लिए पाँच साल का रोडमैप बनाएं। इसमें विकास के लिए आवश्यक कार्यों को शामिल कराएं। इस रोडमैप के अनुसार विकास के कार्य किए जाएंगे। इनकी नियमित समीक्षा भी सुनिश्चित की जाएगी। प्रदेश को इन्फार्मेशन टेक्नालाजी, शिक्षा तथा स्वास्थ्य के क्षेत्र में विकास का केन्द्र बनाया जाएगा। कृषि उत्पादन बढ़ाने तथा व्यावसायिक मांग के अनुरूप फसलों के लिए किसानों को प्रोत्साहित किया जाएगा। प्रदेश के ऐसे प्रतिभाशाली व्यक्ति जो देश और विदेश में विभिन्न क्षेत्रों में सफलता प्राप्त कर रहे हैं, उन्हें प्रदेश में आकर्षित करने के लिए भी प्रयास किया जाएगा। पुरातात्विक महत्व के स्थलों तथा पर्यटन स्थलों के समुचित विकास के लिए भी प्रयास किए जाएंगे। मंदसौर के मंदिरों, धर्मराजेश्वर तथा भानपुरा संग्रहालय को भी विकसित किया जाएगा जिससे यहाँ बड़ी संख्या में पर्यटक आकर्षित हों।

मुख्यमंत्री ने कहा कि 21 जून को विश्व योग दिवस मनाया जाएगा। जिला स्तरीय कार्यक्रम में जनप्रतिनिधि, अधिकारी तथा आमजन शामिल हों। व्यवस्थित रूप से योग दिवस का आयोजन करें। प्रदेश के सभी शासकीय स्कूलों में 18 से 20 जून तक तीन दिवसीय प्रवेशोत्सव मनाया जाएगा। इसे सफल बनाने में भी जनप्रतिनिधियों तथा आमजनों की भूमिका सुनिश्चित करें। कलेक्टर और पुलिस अधीक्षक आगामी त्यौहारों को देखते हुए कानून और व्यवस्था की कड़ी निगरानी करें।

कृषि आदान के संबंध में निर्देश देते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रदेश में पर्याप्त मात्रा में बीज उपलब्ध है। इसका ठीक से वितरण कराएं। यूरिया का भी पर्याप्त भण्डार कर लिया गया है। किसानों को डीएपी के साथ-साथ इसके विकल्प के रूप में सिंगल सुपर फास्फेट तथा एनपीके के खाद के उपयोग के लिए प्रोत्साहित करें। मिलावट के विरूद्ध भी सभी जिलों में प्रभावी अभियान चलाएं। मिलावट करने वालों के विरूद्ध कड़ी कार्यवाही करें। बिजली की आपूर्ति तथा खराब ट्रांसफार्मर बदलने की सतत निगरानी करें। जिला और संभाग स्तर पर बाढ़ तथा अन्य प्राकृतिक आपदाओं से निपटने के लिए आवश्यक तैयारियाँ सुनिश्चित करें। पूरे प्रदेश में अभियान चलाकर लंबित राजस्व प्रकरणों का निराकरण कराएं। जमीन की रजिस्ट्री होने के साथ उसका नामांतरण सुनिश्चित करें।

जल गंगा संवर्धन अभियान की समीक्षा करते हुए मुख्यमंत्री डॉ यादव ने जबलपुर, सागर, सिवनी, मण्डला तथा राजगढ़ जिलों से संवाद किया। इन जिलों में किए जा रहे जल संरक्षण कार्यों की मुख्यमंत्री ने प्रसंशा की। मुख्यमंत्री ने कहा कि किसान अथवा अन्य व्यक्ति अपने निजी उपयोग के लिए तालाबों से गाद निकालना चाहे तो उस पर किसी तरह की रोक न लगाएं। बिना कोई शुल्क दिए तथा बिना अनुमति के तालाबों से गाद निकाली जा सकती है। सतना के एनआईसी कक्ष से कलेक्टर अनुराग वर्मा, पुलिस अधीक्षक आशुतोष गुप्ता, डीएफओ विपिन पटेल, सीईओ जिला पंचायत संजना जैन, अपर कलेक्टर स्वप्निल वानखड़े, नगर निगम आयुक्त शेर सिंह मीना सहित संबंधित अधिकारी वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग में शामिल हुए। मैहर जिला से वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग में विधायक मैहर श्रीकांत चतुर्वेदी, कलेक्टर रानी बाटड, पुलिस अधीक्षक सुधीर अग्रवाल, सीईओ प्रतिपाल बागरी, सीएमओ लालजी ताम्रकार सहित संबंधित अधिकारी शामिल हुए।

बगदरा घाटी में पलटा लोड ट्रक

नीचे दबने से ड्राइवर की मौत, क्लीनर की हालत गंभीर

मीडिया ऑडीटर, सतना निप्र। चित्रकूट-सतना मार्ग पर एक ट्रक बेकाबू हो कर पलट गया। हादसे में ड्राइवर ट्रक के नीचे दब गया, जिससे उसकी मौत हो गई। जबकि मशक्कत के बाद क्लीनर को बाहर निकाल कर अस्पताल भेजा गया है।

जानकारी के मुताबिक, चित्रकूट-सतना मार्ग पर मंगलवार की शाम बगदरा घाटी में एक ट्रक चालक के नियंत्रण से बाहर होकर पलट गया। ट्रक में गिट्टी लोड थी। ट्रक पलटते ही ड्राइवर और क्लीनर दोनों नीचे दब गए। सूचना मिलने पर चित्रकूट थाना पुलिस मौके पर पहुंची और उन्हें बाहर निकालने के प्रयास शुरू किए गए। देर शाम क्लीनर को तो किसी तरह बाहर निकाल कर अस्पताल भेज दिया गया लेकिन ड्राइवर को नहीं निकाला जा सका, उसकी मौत हो गई।

उसे निकालने के लिए जेसीबी मशीन बुलाई गई। फिलहाल शिनाख्त नहीं हो पाई है।

उप मुख्यमंत्री की अध्यक्षता में मंत्रिपरिषद की उप समिति की बैठक हुई

मीडिया ऑडीटर, सतना निप्र। उप मुख्यमंत्री राजेंद्र शुक्ल की अध्यक्षता में मंगलवार को वल्लभ भवन में प्रदेश के समस्त ज़िलों में शव वाहन संचालन योजना के लिए मंत्रिपरिषद की उप समिति की बैठक हुई। बैठक में शव वाहन संचालन की योजना के विभिन्न पहलुओं पर विचार कर समिति द्वारा सुझाव दिये गये। बैठक में नगरीय विकास एवं आवास, संसदीय कार्य विभाग मंत्री कैलाश विजयवर्गीय, पंचायत एवं ग्रामीण विकास और श्रम विभाग मंत्री प्रहलाद सिंह पटेल सहित अपर मुख्य सचिव, लोक स्वास्थ्य एवं चिकित्सा शिक्षा विभाग मो. सुलेमान, प्रमुख सचिव स्वास्थ्य विवेक पोरवाल, एमडी एनएचएम प्रियंका दास उपस्थित थे।

बैठक में योजनांतर्गत पात्रता, संचालन व्यवस्था एवं वित्तीय प्रावधानों पर विमर्श किया गया। समिति ने सुझाव दिये कि शव वाहन की संख्या का निर्धारण उपलब्ध आंकड़ों के आधार पर किया जाये। पात्रता और सुविधा के निर्धारण में आर्थिक स्थिति को प्राथमिकता दी जाये। शव वाहन संचालन सुविधा के लिए शासकीय व्यवस्था के साथ-साथ स्वयं सेवी संस्थाओं और एनजीओ का भी सहयोग प्राप्त करने के लिए एम्पेनेलमेंट की व्यवस्था को योजना में शामिल करने के समिति ने निर्देश दिये। उक्त बिंदुओं को समाहित कर अगले सप्ताह पुनः योजना पर मंत्रिपरिषद की उप समिति द्वारा विमर्श किया जाकर योजना को अंतिम रूप प्रदान किया जाएगा।

बैठक में बताया गया कि प्रदेश के समस्त चिकित्सा महाविद्यालय वाले 13 ज़िलों में 4-4 तथा शेष 42 ज़िलों में 2-2 शव वाहन कुल 136 शव वाहन का संचालन प्रस्तावित है। शव वाहन से शासकीय अस्पताल से मृतक के निवास स्थल/शमशान घाट तक परिवहन के लिए केंद्र शासन, राज्य शासन अथवा सार्वजनिक क्षेत्र के उपक्रम द्वारा संचालित शासकीय स्वास्थ्य संस्थाओं अथवा आयुष्मान भारत योजना अंतर्गत सम्बद्ध निजी अस्पतालों में उपचार के लिये लाये गए आयुष्मान हितग्राही की उपचार के दौरान मृत्यु के प्रकरण की पात्रता प्रस्तावित की गयी है।

सड़क दुर्घटना अथवा अन्य आपदा में पीड़ित की मृत्यु होने पर पोस्टमार्टम के लिये शासकीय स्वास्थ्य संस्था में परिवहन एवं पोस्ट मार्टम उपरांत शासकीय स्वास्थ्य संस्था से मृतक के निवास स्थल/शमशान घाट तक परिवहन की पात्रता भी विभागीय योजना में प्रस्तावित है।

योजना के क्रियान्वयन में मृतक (इंस्टिट्यूशनल डेथ) को शव वाहन से परिवहन के लिये संबंधित स्वास्थ्य संस्था द्वारा अधिकृत चिकित्सक /पैरामेडिकल स्टाफ द्वारा केंद्रीयकृत कॉल सेंटर में सूचना दिया जाना प्रस्तावित किया गया है। मृतक के परिवहन हेतु संबंधित स्वास्थ्य संस्था से मृत्यु प्रमाणपत्र प्राप्त करना आवश्यक होगा।

सूचना प्राप्त होने पर संबंधित जिले में तैनात नजदीकी शव वाहन द्वारा सम्बंधित स्वास्थ्य संस्था से मृतक को उनके निवास स्थल अथवा शमशान घाट तक निशुल्क परिवहन प्रस्तावित है। मृतक के परिवहन संबंधी विवरण सेवाप्रदाता संस्था द्वारा मोबाईल ऐप के माध्यम से केन्द्रीयकृत काल सेंटर में ऑनलाइन संधारित किया जाना प्रस्तावित है।

गुंडा टैक्स मांगने वाला बदमाश पुलिस गिरफ्त में

गांव में निर्माण कार्य कराने के एवज में सरपंच से मांग रहा था रुपए

मीडिया ऑडीटर, सतना निप्र। गांव में गुंडागर्दी कर सरपंच से गुंडा टैक्स मांगने वाले बदमाश को सिंहपुर पुलिस ने गिरफ्तार कर जेल भिजवा दिया है।

सिंहपुर थाना पुलिस ने गुंडा टैक्स मांगने वाले आरोपी संतोष कुमार कोटवार उर्फ कौस्तुभ देव दाहिया पिता रामलाल दाहिया (24) निवासी ग्राम सेमरिया थाना सिंहपुर सतना को गिरफ्तार किया है। आरोपी को कोर्ट में पेश किया गया, जहां से उसे जेल भेज दिया गया।

सिंहपुर थाना प्रभारी शैलेन्द्र पटेल ने बताया कि संतोष लोगों को डराता-धमकाता था। वह रुपए के लिए मारपीट करता था। वह इसे गुंडा टैक्स कहता था। आरोपी ने ग्राम सेमरिया के सरपंच अनुज प्रताप सिंह पिता अनिल कुमार सिंह (44) निवासी ग्राम सेमरिया को भी धमकाते हुए पंचायत की तरफसे कराए जा रहे निर्माण कार्य के एवज में रुपयों की मांग की थी।

सरपंच ने रैगांव पुलिस चौकी में शिकायत दर्ज कराते हुए बताया था कि वे पंचायत भवन का निर्माण करा रहे थे, तभी आरोपी वहां आ पहुंचा।

उसने धमकी देते हुए कहा कि अगर पंचायत भवन का निर्माण कराना है तो सरपंच को उसे गुंडा टैक्स देना होगा वरना अंजाम बुरा होगा। सरपंच ने रुपए देने से इंकार किया तो आरोपी ने गाली गलौज - मारपीट भी की थी।

सतना में विहिप का प्रदर्शन

सरकार से पशु मेले बंद करने, गोवंश की तस्करी रोकने की मांग

मीडिया ऑडीटर, सतना निप्र। विश्व हिंदू परिषद के कार्यकर्ताओं ने सोमवार को सतना में प्रदर्शन कर गोवंश तस्करी के मामले में सरकारी रवैये पर नाराजगी जताई और सरकार के समक्ष पशु बाजार मेले बंद करने समेत 20 मांगें रखीं।

विश्व हिन्दू परिषद के कार्यकर्ताओं ने महिला शक्ति के साथ सतना कलेक्ट्रेट पहुंच कर प्रदर्शन किया और गौ वंश की तस्करी के लगातार सामने आ रहे मामलो पर नाराजगी जताई। प्रदर्शनकारियों का कहना था कि मप्र सरकार इस वर्ष को गौ रक्षा संकल्प वर्ष के रूप में मना रही है लेकिन फिर भी गौ वंश की तस्करी रुक नहीं रही।

पशु बाजार मेलो में गोवंश की बिक्री की जा रही है और वहां से गौ वंश को स्लॉटर हाउस ले जा कर उनका वध किया जा रहा है। पिछले दिनों देवास,उमरिया,महू में पकड़ा गया मांस इसका उदाहरण है। प्रदेश भर में गौ तस्करों के सुनियोजित गिरोह काम कर रहे हैं।

सतना में भी कई बार विहिप - बजरंगदल कार्यकर्ताओं ने कई बार गोवंश की तस्करी पकड़वाई है और कई बार उन पर गौ तस्करों ने हमला भी किया है। इससे साफ है कि गौ तस्करों के हौसले कितने बुलंद हैं। प्रदर्शनकारियों ने गोवंश संरक्षण से संबंधित इन्ही तमाम मुद्दों को लेकर मुख्यमंत्री के नाम एक ज्ञापन भी प्रशासन को सौंपा।

ज्ञापन में पशु बाजार मेले बंद किए जाने, गो तस्करी बंद करने, नियम विरुद्ध गोवंश परिवहन पर वाहन राजसात करने, जिस थाना क्षेत्र से तस्करी होती है उस थाना प्रभारी को निलंबित किया करने, एक से अधिक बार वाहन गो तस्करी करते हुए पकड़े जाने पर रासुका के तहत कायमी करने, 1962 संजीवनी पशु एंबुलेंस को शुल्क मुक्त रखने समेत 20 मांगें रखी गई हैं।

प्रदर्शनकारियों में विहिप के प्रान्त सह मंत्री सागर, राम जी गुप्ता, नरेश शुक्ला, सचिन शुक्ला, रावेन्द्र सिंह,अरुण पांडेय बजरंग दल के विभाग सह संयोजक अबीर द्विवेदी,जिला संयोजक सत्य प्रकाश, सह संयोजक विकाश तिवारी,विकाश शुक्ला,मातृशक्ति दुर्गा वाहिनी की मंजू श्रीवास्तव,कुसुम गौतम, प्रेमलता द्विवेदी, मिथलेश तिवारी, ममता खेर,रानी द्विवेदी, सविता यादव, सीता मिश्रा, सविता गुप्ता, निशा जायसवाल आदि शामिल रहे।

जनसुनवाई में दिव्यांग को मिले सहायक उपकरण

45 आवेदनों पर डिप्टी कलेक्टर ने की सुनवाई

मीडिया ऑडीटर, सतना निप्र। लोकसभा निर्वाचन 2024 की आदर्श आचरण संहिता हटने के बाद सामान्य प्रशासन विभाग के निर्देशानुसार जनसुनवाई कार्यक्रम में आमजनों की सुनवाई का सिलसिला शुरु हुआ। मंगलवार को कलेक्ट्रेट सभाकक्ष सतना में आयोजित जनसुनवाई कार्यक्रम में अपर कलेक्टर स्वप्निल वानखेड़े और डिप्टी कलेक्टर गोविंद सोनी ने जिले के विभिन्न एवं दूर-दराज क्षेत्रों से आये लोगों के आवेदन पर सुनवाई की। जनसुनवाई के दौरान तीन दिव्यांगजनों द्वारा दैनिक जीवन में उपयोगी सहायक उपकरण की मांग के लिये आवेदन दिया गया। जिस पर अपर कलेक्टर वानखेड़े द्वारा सामाजिक न्याय एवं दिव्यांगजन सशक्तिकरण विभाग के अधिकारियों को निर्देशित करते हुये मौके पर सहायक उपकरण उपलब्ध कराये गये। इनमें धनेह ग्राम के दृष्टिबाधित दिव्यांग रूपशंकर कुशवाहा को स्मार्ट केन डिवाइस(छड़ी) प्रदान की गई। इसी प्रकार आदर्श नगर निवासी बुट्टीबाई तथा धवारी केशवनगर के शैलेंद्र सिंह को अपर कलेक्टर स्वप्निल वानखेड़े द्वारा मौके पर ही श्रवण यंत्र (सुनने की मशीन) प्रदान किया गया। जनसुनवाई में आये दिव्यांगजनों द्वारा की गई मांग का त्वरित निराकरण हो जाने पर रुपशंकर, बुट्टीबाई और शैलेंद्र सिंह ने जिला प्रशासन का आभार माना। इस मौके पर उप संचालक सामाजिक न्याय सौरभ सिंह, फिजियोथेरेपिस्ट डॉ अमर सिंह उपस्थित रहे।

मंगलवार को आयोजित जनसुनवाई में डिप्टी कलेक्टर गोविंद सोनी के समक्ष कुल 45 आवेदन प्राप्त हुये। सोनी ने समस्याओं के त्वरित निराकरण के निर्देश संबंधित अधिकारियों को दिए। जनसुनवाई में जमीन का सीमांकन कराने, अनुकंपा नियुक्ति, गरीबी रेखा में नाम जोड़ने, खाद्यान पात्रता पर्ची, दाखिल-खारिज कराने, प्रधानमंत्री आवास योजना, अवैध कब्जा हटाने, राशन कार्ड बनाने, विद्युत समस्या, वृद्धावस्था पेंशन, विधवा पेंशन, विकलांग पेंशन, जमीन का कब्जा दिलाने, चिकित्सा सहायता, रोजगार दिलाने, भरण-पोषण, संबल योजना के लाभ और दिव्यांग आवेदक सहायक उपकरण की मांग संबंधी आवेदन लेकर जनसुनवाई में पहुंचे।

मैहर की जनसुनवाई में प्राप्त हुये 38 आवेदन

लोकसभा निर्वाचन 2024 कार्यक्रम की प्रक्रिया समाप्त हो जाने के उपरांत आमजनों की समस्याओं के आवेदन प्राप्त करने और निराकरण के लिये जनसुनवाई मंगलवार 11 जून को शुरु हुई। कलेक्टर मैहर रानी बाटड ने कलेक्ट्रेट सभागार मैहर में उपस्थित रहकर प्रातः 11 बजे से दोपहर 1 बजे तक जनसुनवाई की। जिले के विभिन्न क्षेत्रों से आये लोगों ने अपनी समस्याओं को कलेक्टर के समक्ष रखा। जनसुनवाई में 38 आवेदन प्राप्त हुये। प्राप्त आवेदनों पर सुनवाई करते हुए कलेक्टर ने संबंधित विभागों को निराकरण करने के निर्देश दिए। इस दौरान अपर कलेक्टर शैलेंद्र सिंह, एसडीएम मैहर विकाश सिंह, जनपद सीईओ प्रतिपाल बागरी सहित विभागीय अधिकारी उपस्थित रहे।

जनसुनवाई में रामनगर तहसील के ग्राम खुजरीताल निवासी संतोषी मिश्रा ने आवेदन प्रस्तुत कर बताया कि उनके पति की मृत्यु हो चुकी है। शासन द्वारा दी जाने किसान सम्मान निधि का लाभ उनके पति को प्राप्त हो रहा था। पति की मृत्यु के उपरांत योजना का लाभ मिलना बंद हो गया है। योजना का का लाभ पाने ऑनलाइन पंजीयन भी किया गया है। मगर किन्ही कारणों से पोर्टल पर नाम न जुड़ पाने के कारण योजना का लाभ नहीं मिल पा रहा है। इसी प्रकार मैहर निवासी तिजिल सोनी ने आवेदन दिया कि विद्युत विभाग को मीटर जले होने की सूचना देने के बाद भी कोई निराकरण नहीं किया गया है। विद्युत विभाग द्वारा कई माह से अनियमित रीडिंग का बिल भेजा जा रहा है। जनसुनवाई में मैहर तहसील के नादन क्षेत्र के ग्राम मड़ई के भुरैया बंसल द्वारा बताया गया कि सड़क चौड़ीकरण के काम में उनकी आराजी की जमीन को दबा दिया गया। साथ ही खेत से नहर एवं पानी की पाइप लाइन डाल दी गई, मगर किसी प्रकार का मुआवजा नहीं दिया गया। कलेक्टर ने जनसुनवाई में आमजनों द्वारा बताई गई समस्याओं को गंभीरता से सुनते हुये संबंधित विभाग अधिकारियों को आवश्यक कार्यवाही कर शिकायतों का निराकरण करने के निर्देश दिए।

बाल भिक्षावृत्ति की रोकथाम अभियान : पहले दिन रेस्क्यू किये गये 6 बच्चे

मीडिया ऑडीटर, सतना निप्र। बाल भिक्षावृत्ति की रोकथाम के लिए राज्य शासन के निर्देशानुसार सतना जिले में कलेक्टर एवं जिला मजिस्ट्रेट अनुराग वर्मा के निर्देशन में 11 से 18 जून तक सड़क पर रहने वाले बच्चों के पुनर्वास नीति के तहत रेस्क्यू अभियान चलाया जा रहा है। सतना शहर में चिन्हित हॉटस्पॉट क्षेत्र में कार्यवाही के लिए दल भी गठित किए गए हैं। जिनके द्वारा अभियान के प्रथम दिवस मंगलवार को सेमरिया चौराहे मे स्थित मंदिर परिसर से 6 बच्चों को रेस्क्यू किया गया। इन बच्चों को उम्र लगभग 2 वर्ष से लेकर 9 वर्ष तक की है। जिला कार्यक्रम अधिकारी सौरभ सिंह ने बताया कि गठित दल के सदस्यों द्वारा बच्चों को परिवार सहित रेस्क्यू कर जिला बाल संरक्षण इकाई लाया गया।

जहाँ बच्चों को मां और दादी को परामर्श दिया गया तथा बच्चों की जानकारी एसआईआर, आईसीपी और सर्वे प्रपत्र मे दर्ज की गई तथा बच्चों को उनके घर तक टीम द्वारा भेजा गया। बच्चों को शासकीय योजनाओं से जोड़ने की कार्यवाही की जा रही है।

इसी प्रकार दूसरे दल ने सांई मंदिर (राजेन्द्र नगर) के पीछे रेलवे परिसर में अस्थायी रूप से निवासरत परिवारों तथा बच्चों से जानकारी प्राप्त की। जो चंदिया जिला उमरिया तथा बड़वारा जिला कटनी के निवासी है और कुछ समय से सतना में रह रहें है। परिवारों एवं बच्चों को समझाइस दी गई कि बाल भिक्षावृत्ति अपराध है। बच्चों को आंगनवाडी केन्द्र और विद्यालय में प्रवेश करवाने के लिये मात-पिता को समझाईस दी गई।

स्वत्वाधिकारी मुद्रक प्रकाशक संदीप द्विवेदी द्वारा मीडिया प्रकाशन रीवा से मुद्रित कर मीडिया ऑडीटर कार्यालय प्रभात बिहार कॉलोनी सतना से प्रकाशित, संपादक संदीप द्विवेदी आर.एन.आई नं.एमपीएचआईएन/2021/81683
प्रधान कार्यालय रीवा (सिटी कार्यालय चक्रधर सिटी सेंटर रीवा) फोन. नं. 9407132714, 7974467831 Mediaauditor1@gmail.com पीआरबी एक्ट के तहत समाचार चयन के लिए जिम्मेदार, सभी विवादो का न्याय क्षेत्र रीवा होगा।